ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 354 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 जून 2026 सोमवार

आज का मौसम
35.2 अधिकतम
24.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

राम के नाम पर लूट... कभी एक 'रामालय ट्रस्ट' भी हुआ करता था

25 साल तक होती रही चंदा उगाही कभी कोई पारदर्शी ऑडिट भी नहीं

1,008 किलो सोना जुटाने के अभियान पर सस्पेंस, कितना सोना कहां जमा हुआ पता नहीं

लखनऊ से संजय तिवारी की रिपोर्ट

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे और दान में गड़बड़ी को लेकर व्यापक बहस चल रही है। इस बहस में वे लोग काफी बढ़ चढ़ कर आगे आ रहे हैं जिन्होंने या तो राम के अस्तित्व पर सवाल उठाये थे या राम मंदिर के निर्माण में बढ़ चढ़ कर बाधा डाली थी। मंदिर के चढ़ावे में हुई गड़बड़ी की जांच चल रही है, ट्रस्ट के दो लोगों ने इस्तीफा सौंप दिया है और कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। इसी के साथ एक गंभीर प्रश्न और खड़ा हुआ है। श्री राम जन्मभूमि के लिए ही 32 साल पहले एक रामालय ट्रस्ट भी बना था। उस ट्रस्ट को भी बहुत दान मिला। वह ट्रस्ट बनाने वालों ने वादा किया था कि दान का प्रयोग राम मंदिर के निर्माण में होगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आखिर उस दान का क्या हुआ ?

उस ट्रस्ट और उसकी चंदा उगाही का क्या हुआ, इस पर अब दृष्टि डालने का समय है। अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर स्व राजीव गांधी जी के शिलान्यास करने के बाद 1994 में रामालय ट्रस्ट का गठन किया गया था। जिसने 2019 तक राम मंदिर बनाने के नाम पर चंदा लिया। इसके मुख्य ट्रस्टी उस समय के द्वारिका पीठाधीश्वर स्वरूपानंद सरस्वती महाराज थे। एक सदस्य इसमें रामानंदाचार्य रामनरेशाचार्य जी भी थे। कुल 25 सदस्य थे, जिन्होंने राम मंदिर बनाने का दावा किया था किंतु राम जन्मभूमि न्यास का गठन होने पर यह ट्रस्ट निष्क्रिय हो गया, इसका चंदा कहां गया। इसका

भी पता लगाया जाना चाहिए। रामालय ट्रस्ट द्वारा 1,008 किलो सोना जुटाने का अभियान घोषित और प्रचारित हुआ था, लेकिन सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि कुल कितना सोना वास्तव में एकत्र हुआ। उसका अंतिम हिसाब क्या है, और वह कहाँ है, इस पर पारदर्शी सार्वजनिक ऑडिट रिपोर्ट फिलहाल उपलब्ध नहीं दिखती। जितना पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है, उसके आधार पर स्थिति यह है कि रामालय ट्रस्ट का 1,008 किलो सोना अभियान वास्तविक था। फरवरी 2020 में रामालय ट्रस्ट के सचिव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 'स्वर्ण संग्रह सपर्या' अभियान की घोषणा की थी। दावा था कि 7 लाख गांवों से 1,008 किलो सोना एकत्र किया जाएगा। इसमें 108 किलो सोने से अस्थायी 'स्वर्णालय' बनाया जाना था और 900 किलो बाद में भव्य राम मंदिर के लिए समर्पित किया जाना था।

कोई वार्षिक रिपोर्ट और बैलेंस शीट भी उपलब्ध नहीं

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिकॉर्ड में यह नहीं मिलता कि वास्तव में कितना सोना एकत्र हुआ, वह किस बैंक लॉकर, ट्रस्ट खाते या सुरक्षित भंडारण में रखा गया, उसका वैधानिक ऑडिट हुआ या नहीं, उसकी कोई वार्षिक रिपोर्ट, सार्वजनिक बैलेंस शीट या उपयोग का विवरण जारी किया गया।रामालय ट्रस्ट की आय-व्यय संबंधी विस्तृत सार्वजनिक रिपोर्ट आसानी से उपलब्ध नहीं दिखती। कम-से-कम समाचार रिपोर्टों, सार्वजनिक दस्तावेजों और उपलब्ध स्रोतों में 1,008 किलो सोना अभियान के अंतिम परिणाम का कोई स्पष्ट लेखा-जोखा नहीं मिला। राम के नाम पर यह बहुत बड़ी लूट है। इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। इसका हिसाब भी सामने आना चाहिए।

इधर... चढ़ावा चोरी पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सीबीआई के नेतृत्व में बहु-एजेंसी जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि अगर गर्मी की छुट्टियों के बाद नियमित कामकाज शुरू होने पर सुनवाई होगी, तो आसमान नहीं गिर जाएगा। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने कहा कि इस याचिका पर 12-17 जुलाई के सप्ताह के दौरान सुनवाई की जाएगी।

पुलिस ने चंपत राय से की लंबी पूछताछ, बयान दर्ज

पुलिस ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से पूछताछ करके उनके बयान दर्ज किए हैं। बंद कमरे में घंटों तक हुई बातचीत में चढ़ावे की गिनती, सुरक्षा व्यवस्था, दान की प्रक्रिया और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर सवाल किए गए। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस ने ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों और कर्मचारियों के भी बयान दर्ज किए हैं। जांच एजेंसी चढ़ावे के संग्रह, गिनती और बैंक में जमा करने की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल कर रही है।

पुणे मर्डर केस में नया खुलासा

सिया के इशारे पर चेतन ने दिया था केतन को धक्का

» पुलिस का दावा- केतन गिरते वक्त सिया को न पकड़ सके, इसलिए बहाना बनाकर बैठ गई

पुणे, एजेंसी

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में पुलिस ने कई खुलासे किए है। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को लोहगढ़ किले पर सिया गोयल ने पानी पीने या जूते का फीता बांधने के बहाने बैठकर चेतन चौधरी को इशारा दिया। इसके बाद पीछे चल रहे चेतन ने केतन को खाई में धक्का दे दिया।

पुलिस का कहना है कि चेतन गिरते वक्त सिया को पकड़ न सके, इसलिए वह बैठ गई थी। सिया और चेतन ने घटना से एक दिन पहले

पुणे के लुल्लानगर में एक कैफे में मर्डर प्लान किया था।

दोनों वारदात से पहले लोहगढ़ किले पर आए थे। यहां उन्होंने हत्या के लिए जगह चुनी और रिहर्सल भी की। पुलिस अब उस उस जगह का पता लगा रही है, जहां दोनों ने रिहर्सल किया था। पुलिस के मुताबिक, चेतन पुणे से करीब 90 किलोमीटर दूर लोहगढ़ किले तक स्कूटर से पहुंचा था। उसने कार का इस्तेमाल नहीं किया ताकि टोल प्लाजा पर कार का रिकॉर्ड न बने। पुलिस ने वह स्कूटर जब्त कर लिया है।

ट्विशा मामले में कल अहम सुनवाई

भोपाल, एजेंसी

शहर बहुचर्चित ट्विशा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में मंगलवार को कोर्ट नए सिरे से सुनवाई करने जा रहा है। इस दौरान सेवानिवृत्त जिला जज गिरिबाला सिंह के लंबित आवेदनों पर न्यायालय अपना निर्णय

लेगा। दरअसल, पिछली सुनवाई के दौरान एम्स प्रबंधन की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की गई थी, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उन्हें 30 जून तक की मोहलत दी थी।

न्यूज विंडो

नोएडा की सोसायटी में एसी ब्लास्ट से लगी आग

नोएडा। सेक्टर-119 स्थित अरण्या सोसायटी में 21वें फ्लोर के फ्लैट में आज सुबह अचानक आग लग गई है। बताया जा रहा है कि फ्लैट में लगे एयर कंडीशनर (एसी) में धमाके की वजह से आग लगी है।सूचना पर आनन-फानन में दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। आग बुझाने का काम चल रहा है। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। गौतमबुद्ध नगर के चीफ फायर ऑफिसर और स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद हैं। आग लगने की सूचना के बाद फायर सर्विस की टीमों ने तुरंत कार्रवाई की और आग बुझाने का काम शुरू किया।

पूर्व सांसद का बेटा बताकर 3 करोड़ ठगने वाला गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में पूर्व लोकसभा सांसद का बेटा बताकर करीब 250 कारोबारियों से लगभग तीन करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में इन्फोसिटी थाना पुलिस ने फरार आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। आरोपी नेपाल भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे दार्जिलिंग जिले के खारीबारी थाना क्षेत्र से दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बरगढ़ जिले के सच्चिदानंद भोई (51) के रूप में हुई है। उसने निवेशकों को भारी मुनाफे का झांसा दिया और खुद को पूर्व सांसद कृपासिंधु भोई का पुत्र बताकर उनका विश्वास जीता और उनसे रकम लेकर चंपत हो गया।

आज का कार्टून

कल कतर में फिर होगी बातचीत

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने के लिए राजी

» होर्मुज से जहाजों का निकलना जारी रहेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे।अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे।

समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है।

ईरान की अपील- हमले के लिए अपनी जमीन न दें

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने क्षेत्रीय देशों से अपील की है कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमलों के लिए न होने दें। इराक की राजधानी बगदाद में प्रधानमंत्री अली फालेह अल-जायदी से मुलाकात के दौरान अराघची ने कहा कि पड़ोसी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी जमीन, हवाई क्षेत्र या सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी भी हमले के लिए न हो।उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय देशों की जिम्मेदारी है कि वे शांति और सुरक्षा बनाए रखें तथा किसी भी पक्ष को अपनी जमीन से गैरकानूनी सैन्य कार्रवाई की अनुमति न दें।

बाबा बर्फानी के दरबार में पहली आरती, यात्रा 3 जुलाई से

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज सुबह बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा में प्रथम पूजा अर्चना कर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बाबा बर्फानी से देशवासियों की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। श्राइन बोर्ड की ओर से प्रतिवर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर पवित्र गुफा में प्रथम पूजा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 57 दिवसीय बाबा अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी।

पाक का अफगानिस्तान पर बड़ा हमला, 29 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी सेना ने देर रात अफगानिस्तान बॉर्डर पर जोरदार हमला किया, जिसमें 29 लड़कों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तानी सेना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर एक ग्राउंड ऑपरेशन किया। इस दौरान आतंकवादियों के ठिकानों और सुरक्षित ठिकानों पर सोचे-समझे हमले किए गए। इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अताउल्लाह तरार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह ऑपरेशन देश भर में हुए कई आतंकवादी हमलों के जवाब में शुरू किया गया था। अफगानिस्तान की तरफ से तुरंत कोई जवाब नहीं आया।

पाकिस्तान में हाल के सालों में पुलिस और सिक्योरिटी फोर्स को निशाना बनाकर

किए गए आतंकवादी हमलों में बढ़ोतरी देखी गई है। अधिकारियों ने ज्यादातर हिंसा के लिए पाकिस्तानी तालिबान, जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, या टीटीपी के नाम से जाना जाता है, और उससे जुड़े आतंकवादी ग्रुप्स को जिम्मेदार ठहराया है। एक दिन पहले ही बंदूकों और विस्फोटकों से लैस आतंकवादियों ने कराची में पैरामिलिट्री रेंजर्स के रीजनल हेडक्वार्टर को निशाना बनाया था, जिसमें तीन सैनिक मारे गए थे।

तीन सप्ताह के अंदर दोबारा किया हवाई हमला

नए ऑपरेशन से इस्लामाबाद और काबुल के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों में और तनाव आने की संभावना है। पाकिस्तान की सेना ने लगभग तीन सप्ताह पहले अफगानिस्तान में मिलिटेंट ठिकानों पर हवाई हमले शुरू किए थे। इन हमलों के बाद तीन हफ्ते से भी कम समय में पाकिस्तानी सेना ने बॉर्डर पर हमला किया है। इन हमलों ने लगभग एक महीने की शांति को खत्म कर दिया, जिसे इस्लामाबाद ने पड़ोसी देशों के बीच खुली लड़ाई बताया था, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पक्की शांति लाने की कोशिशें की जा रही थीं।

मेट्रो एंकर | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों में दक्षता से पाई सफलता

एआई का कमाल.. आईआईटी इंदौर के छात्रों को करोड़ से ज्यादा का पैकेज

इंदौर, एजेंसी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के 14वें दीक्षा समारोह में निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने प्लेसमेंट रिपोर्ट सार्वजनिक की। पहली बार बीटेक के 10 विद्यार्थियों को 1.59 करोड़ रुपये तक का वार्षिक पैकेज मिला है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में भारी बदलाव के बीच संस्थान के विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। ऐसे समय में संस्थान के विद्यार्थियों ने खुद को साबित करते हुए पारंपरिक तकनीकों के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों को सीखने पर जोर दिया। इन्हीं तकनीकों ने उन्हें एक करोड़ रुपये से अधिक के पैकेज दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान के अनुसार एक अन्य विद्यार्थी को भी 1.03 करोड़ रुपये वार्षिक पैकेज मिला है। आईआईटी इंदौर की प्लेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। इन शाखाओं के विद्यार्थियों को एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े बड़े रोजगार प्रस्ताव मिले हैं।

फाइल फोटो

औसत पैकेज में भी हुई बढ़ोतरी

आईआईटी इंदौर के अनुसार प्लेसमेंट प्रक्रिया अभी जारी है। इस वर्ष करोड़ों रुपये के पैकेज मिलने से बीटेक बैच का औसत वार्षिक पैकेज बढ़कर 27.8 लाख रुपये हो गया है। वर्ष 2025 में औसत पैकेज 24.5 लाख रुपये था, जबकि सर्वाधिक पैकेज 1.38 करोड़ रुपये रहा था। वहीं वर्ष 2024 के स्नातक बैच में सर्वाधिक पैकेज 64 लाख रुपये था। इस बार सर्वाधिक पैकेज में करीब 20 लाख रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वित्तीय कंपनियों ने भी दिखाई रुचि

प्लेसमेंट में वित्तीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी विशेष रुचि दिखाई। इन कंपनियों ने विद्यार्थियों को लाखों के वार्षिक पैकेज के साथ नियुक्ति दी। वित्तीय क्षेत्र की एक कंपनी ने भी एक विद्यार्थी को एक करोड़ रुपये से अधिक का पैकेज दिया है। निदेशक प्रो. सुहास जोशी के अनुसार, बीटेक बैच के पांच विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से भी रोजगार प्रस्ताव मिले हैं।

सख्ती की तैयारी... बिजली वितरण कंपनी ने जबलपुर में बनाया कंट्रोल रूम

प्रदेश के 417 बिजली सबस्टेशनों पर मोबाइल से रखी जाएगी नजर

डेढ़ करोड़ रुपए के बजट से लगाए उच्च क्षमता के सीसीटीवी कैमरे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में बिजली आपूर्ति करने वाले उच्च क्षमता के सबस्टेशनों की सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन ने बड़ा तकनीकी अभियान शुरू किया गया है। राज्य भर के 417 सबस्टेशनों की निगरानी को मजबूत करने के लिए प्रशासन करीब 8.15 करोड़ रुपये के बजट से अत्याधुनिक उच्च क्षमता के एचडी सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर रहा है। इस नए नेटवर्क से सब-स्टेशनों की सुरक्षा में इंसानी पहरे के साथ-साथ तकनीक का एक दोहरा सुरक्षा कवच तैयार हो जाएगा। इससे ट्रांसफॉर्मरों के कीमती सामानों की चोरी थमेगी और आम लोगों को बिना किसी रुकावट के बिजली मिलती रहेगी।

ऊर्जा मंत्रालय का मुख्य उद्देश्य विद्युत ग्रिड को चोरी की वारदातों और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश से पूरी तरह सुरक्षित रखना है। इससे पहले भी विभाग ने बिजली लाइनों की देखरेख के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया था।

शक्तिभवन से होगी मॉनिटरिंग

इस पूरी व्यवस्था को इतना आधुनिक बनाया है कि सभी कैमरों का सीधा प्रसारण संबंधित सबस्टेशन के प्रभारियों के मोबाइल फोन पर उपलब्ध रहेगा। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की मदद से जबलपुर स्थित शक्तिभवन के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से मध्य प्रदेश के सभी 417 सबस्टेशनों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। मुख्यालय से एक क्लिक पर पूरे राज्य की स्थिति दिखने से सुरक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता आने के साथ ही गड़बड़ियों पर तुरंत एक्शन लिया जा सकेगा।

मजबूत होगा सुरक्षा का बिजली टांचा

बिजली कंपनी के जनसपर्क अधिकारी मनोज दिवेद्वी के अनुसार इस बड़े तकनीकी बदलाव के बाद बिजली विभाग किसी भी आपातकालीन स्थिति या तकनीकी खराबी का तुरंत पता लगाने में सक्षम होगा। इससे सुरक्षा का बिजली ढांचा मजबूत होगा। पहले जहां सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केवल सुरक्षाकर्मियों पर होती थी, वहीं अब इस डिजिटल पहरे से निगरानी का दायरा कई गुना बढ़ गया है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी राज्य के उपभोक्ताओं को सुरक्षित और लगातार बिजली देने के अपने वादे को पूरा कर रही है, जो एक ऐतिहासिक कदम है।

चोरी रोकने के लिए अभेद्य सुरक्षा

कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि सबस्टेशनों से ट्रांसफॉर्मर में लगे कॉपर न्यूट्रल स्ट्रिप की चोरी हो जाती है, जिससे न केवल सरकारी खजाने को भारी नुकसान होता है बल्कि पूरी बिजली व्यवस्था भी ठप पड़ जाती है। ये स्ट्रिप्स ट्रांसफॉर्मर को सुरक्षित चलाने के लिए बेहद जरूरी होती है। इनके गायब होने से ट्रांसफॉर्मर के जलने की नौबत आ जाती है। एक बार यदि बड़ा ट्रांसफॉर्मर खराब हो जाए, तो उसे ठीक करने या बदलने में तीन से चार महीने का समय लग जाता है, जिसका सीधा खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। इसी समस्या से निपटने नए कैमरे 360 डिग्री घूमने की क्षमता, रात्रि प्रतिबिंब के साथ ही हलचल भांपने की तकनीक से लैस हैं, जो घने अंधेरे में भी किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ लेंगे।

बाल कहानी संग्रह 'विराज और चांद का सपना ' लोकार्पित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वर्तमान समय विज्ञान का समय है बच्चों की दुनियां आज समय के साथ तेजी से बदल रही है,हमें बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए उन्हें विज्ञान से जुड़ी रोचक कहानियां सुनाना तथा पढ़वाना चाहिए। कुछ इस तरह के विचार वक्ताओं ने व्यक्त किए।

अवसर था विगत दिवस हिंदी भवन भोपाल के सभागार में आयोजित सुपरिचित साहित्यकार श्रीमती सुनीता प्रकाश के सध्य प्रकाशित बाल कथा संग्रह ' विराज और चांद का सपना ' के लोकार्पण का । इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.देवेंद्र दीपक पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उमेश कुमार सिंह पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल, डॉ.नुसरत मेहदी निदेशक उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश , डॉ.ध्रुव कुमार पटना, श्रीमती कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। इस अवसर पर नगर के अनेक साहित्यकार एवं पुस्तक प्रेमी उपस्थित थे।

120 करोड़ से बनेगा सीवेज नेटवर्क, गोविंदपुरा क्षेत्र को मिलेंगी दो नई एलिवेटेड रोड : कृष्णा गौर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अमृत मिशन-2 के तहत गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में करीब 120 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सीवेज नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जिससे निजी कॉलोनियों सहित कई आवासीय क्षेत्रों की वर्षों पुरानी सीवेज समस्या का समाधान होगा। इसके साथ ही मिसरोद से अयोध्या बायपास होते हुए एयरपोर्ट तक तथा बावड़ियाकला से दानिश नगर तक एलिवेटेड रोड का निर्माण भी प्रस्तावित है।

यह जानकारी पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने वार्ड-

53 स्थित स्टर्लिंग ग्लोब ग्रैंड परिसर के पहुंच मार्ग लोकार्पण एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने स्टर्लिंग ग्लोब ग्रैंड परिसर में ओपन जिम, डुप्लेक्स परिसर में शेड निर्माण तथा पार्क विकास कार्य कराने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद प्रताप वारे ने वार्ड में कराए गए तथा प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि नर्मदापुरम रोड की दोनों ओर की सर्विस रोड की मरम्मत और अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य प्रगति पर हैं। प्रारंभ में स्टर्लिंग ग्लोब ग्रैंड रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था के सर्वश्री सतीश नारायण शुक्ला,बीएस राजपूत,सीबी गांधी,मंगेश भार्गव,सुरेंद्र पाल खुराना, सबलोक सलूजा,अजय बवेजा,महेश कुमार,शैलेश तिवारी,महेंद्र चौहान व महिला सदस्यों ने मुख्य अतिथि श्रीमती गौर व अन्य विशिष्ट अतिथियों का शाल,श्रीफल से सम्मान किया। आभार प्रदर्शन सतीश नारायण शुक्ला एवं संचालन रवि अवस्थी ने किया।

महिला से पैसे लिए थे उधार, लौटाने के बहाने बुलाकर मार डाला

हत्या के 3 आरोपियों को आजीवन कारावास

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिला की योजनाबद्ध तरीके से हत्या करने के मामले में न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने यह फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश ज्योति राजपूत द्वारा सुनाया। मामले में आरोपी आदित्य उर्फ आदी साहू, धीरेन्द्र और सरफराज को धारा 302 एवं 120-बी भादवि के तहत आजीवन कारावास एवं 10-10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। वहीं आरोपी आदित्य उर्फ आदी साहू और सरफराज को 2-2 वर्ष का सश्रम कारावास व 1000-1000 रुपये अर्थदंड की सजा भी दी गई है। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दीप्ति पटेल ने प्रभावी पैरवी की। शासन द्वारा इस प्रकरण को सनसनीखेज श्रेणी में रखा गया था।

घटना 19 अप्रैल 2023 की है, जब महिला के लापता होने की रिपोर्ट उसकी सास ने थाना टीला जमालपुरा में दर्ज कराई थी। बाद में 23 अप्रैल को बिलखिरिया क्षेत्र के एक खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिला, जिसकी बाद में पहचान की गई। जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पुलिस पहुंची। पाया गया कि एक मोबाइल नंबर से मृतका को कई बार कॉल किया गया था, जो सरफराज के नाम पर था। जांच में यह भी सामने आया कि घटना के दिन तीनों आरोपी और मृतका की लोकेशन एक ही क्षेत्र में थी। पूछताछ में सामने आया कि आदित्य ने मृतका से पैसे उधार लिए थे और पैसे लौटाने के बहाने उसे मिलने के लिए बुलाया गया। इसके बाद योजना बनाकर उसे ऑटो में बैठाकर सुनसान स्थान कन्हासैया खंडहर में ले जाया गया, जहां चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। विचारण के दौरान मृतका के नाखूनों में मिले रक्त का मिलान आरोपी आदित्य के कपड़ों पर मिले रक्त से किया गया।

सिंधु भवन ट्रस्ट ने 266 जरूरतमंद छात्रों को बांटीं पुस्तकें और कॉपियां

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा सर्व समाज के मेधावी व जरूरतमंद विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की राशि एवं कॉपियों का वितरण कार्यक्रम रविवार को सिंधु भवन ट्रस्ट प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान, माँ सरस्वती वंदना, माल्यार्पण और दीप प्रज्जलित कर की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव और सफलता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट पिछले 20 वर्षों से प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ट्रस्ट इंडसइंड फाउंडेशन व अन्य संस्थाओं के सहयोग से 12वीं के बाद भी कॉलेज शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप दिलाएगा। कार्यक्रम में ट्रस्ट के महासचिव हरीश ज्ञानचंदानी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि कोषाध्यक्ष अनिल चुघ ने बच्चों को आगे भी हर संभव मदद का विश्वास दिलाया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष तुलसी नैनवानी, डॉ. सीपी देवानी, डॉ. मालती भोजवानी, सुभाष भावनानी और गायिका सौम्या पंजवानी ने भी बच्चों को नियमित स्कूल जाने, माता-पिता का सम्मान करने और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत में विधिक सलाहकार जितेंद्र जादवानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस गरिमामयी आयोजन में सुभाष भवनानी, हरीश छाबड़िया, प्रकाश कानूगा, दीपक लालचंदानी, राजेश मोटवानी, एडवोकेट राकेश सूर्यवंशी आदि उपस्थित रहे।

पंजाबी बाग गुरुद्वारे में सेवा सदन का निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

251 मरीजों का नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 58 मरीज चिह्नित किए

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय और भोपाल उत्सव मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में आज पंजाबी बाग स्थित गुरुद्वारे में निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 251 मरीजों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें 100 पुरुष और 151 महिलाएँ शामिल थीं। जाँच के दौरान 58 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें एम्बुलेंस के माध्यम से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय लाकर भर्ती कराया गया है। सोमवार को इन सभी मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा। जिन मरीजों

में मोतियाबिंद की शिकायत नहीं मिली, उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ दी गईं और साथ ही उनके बीपी व शुगर की भी जांच की गई।

निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजन की श्रृंखला में यह दूसरा शिविर था। अगला शिविर रविवार, 5 जुलाई 2026 को दुबई धर्मशाला, गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद अशोक वाणी, सूर्यकांत गुप्ता, मेला समिति के सुनील जैनजैन, परमजीत सिंह बेदी, चंद्रशेखर सोनी, नारायण सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र जैन, श्याम मंगल, सुनील खेमचंदानी तथा सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामाणी सहित अस्पताल के स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

संतनगर. नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने एक स्वर में संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ और आरती का आयोजन किया। हर मंगलवार और शनिवार को सामूहिक चालीसा पाठ होता है। चालीसा पाठ की शुरुआत पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा द्वारा जगत जननी नुक्कड़ वाली मैया के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को नियम व श्रद्धा से पाठ करता है, उस पर हनुमान जी की विशेष कृपा बनी रहती है।

संस्कृति से जुड़ने और सामाजिक सशक्तिकरण का दिया संदेश

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज राजधानी के श्री झूलेलाल मंदिर में भगवान झूलेलाल जी की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। हर महीने के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाली इस निरंतर श्रृंखला की यह 105वीं महाआरती थी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति, संस्कारों और इष्ट देव से जोड़े रखना है।

महाआरती में विशेष आकर्षण समाज की मातृशक्ति और योग ट्रेनर किरण बत्रा, निशा उत्तवानी एवं भावना का सम्मान रेलवे के सदस्य नितेशलाल द्वारा किया गया। इसके साथ ही, मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय सिंधी मंच के संस्थापक अध्यक्ष रोशनलाल और भोपाल के प्रमुख समाजसेवी मुकेश हासानी का जन्मोत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान पूज्य सिंधी पंचायत संत नगर के उन समाजसेवियों का भी विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनावों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई थी। इसमें संत हिरदाराम नगर से आए पूज्य सिंधी पंचायत चुनाव के उपाध्यक्ष प्रत्याशी युवा नेता कमलेश देवानी, सहसचिव रूप कुमार सोनी और उनकी बजरंग सेना समिति की टीम के राज बिजोरिया, बी.के. सेन व शमी गंगवानी शामिल रहे। समाजसेविका डिंपल तलरेजा ने

कहा कि 'कितने भी काम हों, महीने में एक बार अंतिम रविवार को होने वाली इस महाआरती में जरूर शामिल हों ताकि सामाजिक सशक्तिकरण हो और समाज की एक मजबूत पहचान बने।' इस अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स भोपाल के कोषाध्यक्ष प्रदीप सेवानी और राष्ट्रीय सिंधी मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सबधानी सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी और मातृशक्ति उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप का 46वां गीत-संगीत कार्यक्रम

चालीस गायकों ने गाए 70 से अधिक फिल्मी गीत

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

'मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप' का 46वां गीत-संगीत केरी ओके कार्यक्रम हुआ, जिसमें 48 गायकों ने 70 से अधिक बेहतरीन गानों की प्रस्तुतियां दीं। संगीत संध्या का संयोजन ग्रुप के संचालक रामचंद सभनानी एवं आयोजक योगेश मालानी द्वारा किया गया। सुरमयी शाम में अरुणा मेहता, सुनीता, मनराज, वंदना, रूही, हेमंत, उदय पंडारे, तुलसाराज, खेमचंद, राजा जेठानी, संतोष सिंह, शिवम बड़ोदिया, राजेश परते, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. त्रिवेदी, सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट राजेश टंडन, मंजरी खत्री, मुकेश पालीवाल, शैली, रमेश चंदानी, रीना मेहता, राजेश सरीन, डोली सरीन, आर. के. खेरिया, श्रुति भोले, नीना खापर्डे, शीतल बॉथम, मुकेश श्रीवास्तव और लालसिंह सहित कई अन्य गायकों ने गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी, समाजसेवी जवाहर मूलचंदानी, मीराज के संचालक, समाजसेवी बी. डी. तेजवानी और हीरो फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो हिंदू उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष सौरभ गंगारमानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव प्रदीप आरतवानी, एस. जी. हेरिटेज होटल के संचालक लक्ष्मणदास आसवानी शामिल हुए। संगीत जगत से व्यास म्यूजिकल ग्रुप के संचालक संजय व्यास व निवेदिता व्यास, राग रंग म्यूजिकल ग्रुप के सुमित शर्मा व सोनल शर्मा, स्वरार्पण म्यूजिकल ग्रुप के मोहन सावले व डॉ. प्रतीक्षा सावले, और स्वर रचना से रश्मि दुबे व विवेक दुबे ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत में संचालक रामचंद सभनानी और आयोजक योगेश मालानी ने सभी अतिथियों का शाल पहनाकर स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम के सफल समापन पर अंत में बीनू यादव ने सभी उपस्थित गणमान्य जनों और कलाकारों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम की एंकरिंग बीनू यादव और मंच संचालन रमेश जनयानी ने किया। इस अवसर पर ग्रुप के सुरेश तनवानी, सी. के. जेठानी, अशोक आडवानी, अनिल मोतीरमानी, के. एल. मोटवानी, सलाहकार नरेश पेसवानी, सचिव माला कार्ला, हरनाम पेसवानी और अनिल खुशलानी मौजूद रहे।

कांग्रेस सेवा दल ने निकाली प्रभात फेरी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकाली, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुई। नगर की परिक्रमा करने के बाद प्रभात फेरी पुनः गांधी प्रतिमा स्थल पर पहुंची, जहां राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और संविधान की रक्षा के लिए जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव ने कहा 'आज देश में नफ़रत फैलाकर भाईचारे को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रभात फेरी के माध्यम से हम सब मिलकर देश को एक रखने का दृढ़ संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण ने सेवा दल के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि सेवा दल कांग्रेस की असली ताक़त है। इस अवसर पर लीलाधर पंवार, विष्णु मारण, आनंद सबधाणी, जगदीश सांवले, महेश गुरबानी, राजेश लीलानी, अशोक गोकलानी, सुरेश सिंगरोली, प्रकाश विधानी, अनिल टेकचंदानी, शम्मी गंगवानी, आत्माराम सूर्यवंशी मौजूद रहे।

प्रदेश में सुगम होगा यातायात: जुलाई से दौड़ेंगी पीएम-ई बसें

भोपाल और जबलपुर में चलेंगी 100 बसें, इंदौर से होगी पहले चरण की शुरुआत

भोपाल/इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहरी परिवहन में जुलाई से बड़ा बदलाव होगा। इंदौर, भोपाल और जबलपुर में पीएम-ई बस सेवा शुरू की जाएगी। पर्यावरण अनुकूल और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली एसी इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत सबसे पहले इंदौर से होगी। पहले चरण में इंदौर के 8 रूटों पर 150, भोपाल के 10 रूटों पर 100 और जबलपुर में 100 ई-बसें चलेंगी। केंद्र सरकार की इस योजना के तहत मध्य प्रदेश के छह शहरों में कुल 582 ई-बसें चलाई जाएंगी। बसों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। टिकटिंग की व्यवस्था डिजिटल प्लेटफॉर्म चलो ऐप के माध्यम से होगी। पहले चरण में इंदौर, भोपाल और जबलपुर के बाद दूसरे चरण में ग्वालियर, सागर और उज्जैन में सेवा शुरू की जाएगी। मंडे स्टोरी में जानिए 25-सीटर वातानुकूलित ई-बसों का संचालन, रूट, संभावित किराया और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाएं।

ई-बसों का संचालन ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर होगा

ऑपरेटर की भूमिका: ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ड्राइवर, कंडक्टर और मेंटेनेंस स्टाफ उपलब्ध कराएगी।

भुगतान की दर: कंपनी को संचालन के लिए 58.14 रुपए प्रति किलोमीटर का भुगतान मिलेगा। इसमें 22 रुपए प्रति किमी केंद्र सरकार सब्सिडी देगी, जबकि 36.14 रुपए प्रति किमी राज्य सरकार वहन करेगी।

न्यूनतम दूरी की शर्त: प्रत्येक बस के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 180 किलोमीटर चलना अनिवार्य होगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर: छह शहरों में बनेंगे नौ डिपो

ई-बसों के संचालन और रखरखाव के लिए छह शहरों में नौ अत्याधुनिक डिपो बनाए जा रहे हैं। भोपाल में बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर में 14 करोड़ रुपए की लागत से दो डिपो बनेंगे। इंदौर में नायता मुंडला और चंदन नगर में 6 करोड़ रुपए की लागत से दो डिपो तैयार किए जाएंगे।

रूट प्लानिंग: 20 साल की जरूरतों के हिसाब से तैयारी

हर शहर के लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार किया गया है, ताकि अगले 20 वर्षों की शहरी आबादी की परिवहन जरूरतों को पूरा किया जा सके।

इंदौर: 8 रूटों पर 150 ई-बसें
अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के सीईओ अर्थ जैन के अनुसार, इंदौर के लिए आठ रूट तय किए गए हैं।

सबसे लंबा रूट: रंगवासा-देपालपुर (52.30 किमी) होगा, जहां 12 बसें चलेंगी।

सबसे छोटा रूट: महू नाका-बेस्ट प्राइज (17.22 किमी) होगा, जिस पर 10 बसें संचालित होंगी।

सबसे व्यस्त रूट: महू नाका से सांवेर तक रहेगा। यहां 50 बसें चलेंगी, जिससे यात्रियों को कम अंतराल पर बस उपलब्ध होगी।

भोपाल: 10 रूटों पर 100 ई-बसें

राजधानी भोपाल में सेवा जुलाई के दूसरे या तीसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। यहां 10 रूटों पर 100 बसें चलेंगी। सबसे लंबा रूट सीहोर से रातापानी (68.5 किमी) होगा, जबकि सबसे छोटा रूट अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया से बीडीए कॉलोनी (32 किमी) तक रहेगा।

लंबा रूट: सीहोर, फंदा, चिरायु अस्पताल, बैरागढ़, कलेक्ट्रेट, हमीदिया अस्पताल, रोशनपुरा, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, चूना भट्टी, मंदाकिनी चौराहा, बीमा कुंज और कजलीखेड़ा से होकर गुजरेगा।

छोटा रूट: अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, लांबाखेड़ा, करोंद, आरिफ नगर, संगम टॉकीज, रेलवे स्टेशन, सुभाष नगर, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, आरकेएमपी स्टेशन और बीडीए कॉलोनी तक जाएगा।

सुमन पंचायत और एंटी-माइक्रोबियल प्लान 2.0 का शुभारंभ

प्रदेश में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत, सीएम ने बताया प्रदेश को अग्रणी बनाने का संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जनभागीदारी के कारण मध्यप्रदेश निरंतर अग्रणी राज्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि ÷सुमन पंचायत÷ जैसी नवाचार आधारित योजनाएं ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जो पंचायतें बच्चों और ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगी, उन्हें प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मातृ वंदना योजना, खसरा नियंत्रण और सर्वाइकल कैंसर से बचाव जैसे कार्यक्रमों में जनभागीदारी से उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उच्च मानक स्थापित किए हैं, विशेषकर कोविड जैसी महामारी के सफल प्रबंधन में उनकी भूमिका सराहनीय रही।

मुख्यमंत्री ने जनस्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सुमन पंचायत योजना की शुरुआत की और स्टेट एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) एक्शन प्लान 2.0 का अनावरण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य पुस्तिकाओं का लोकार्पण और जागरूकता पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। उन्होंने कहा कि चिकित्सक रोगी के लिए ईश्वर के समान हैं, क्योंकि उनकी देखरेख और उपचार से जीवन सुरक्षित होता है। प्रदेश में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग का एकीकरण कर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में कार्य किया गया है।

रेजिस्टेंस नियंत्रण की दिशा में प्रभावी पहल

मुख्यमंत्री ने स्टेट एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस एक्शन प्लान 2.0 का अनावरण किया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि एंटीबायोटिक दवाओं के अनुचित उपयोग से उत्पन्न बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता वैश्विक जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। भारत सरकार के राष्ट्रीय एक्शन प्लान के अनुरूप तैयार इस राज्य कार्य योजना में जन जागरूकता, संक्रमण नियंत्रण, प्रयोगशाला क्षमता सुदृढ़ीकरण, एंटीबायोटिक उपयोग का विवेकपूर्ण प्रबंधन, अनुसंधान तथा वन हेल्थ दृष्टिकोण पर आधारित बहु-विभागीय समन्वय को प्रमुखता दी गई है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत कर बच्चों को दवा पिलाई

मुख्यमंत्री ने बैतूल जिले के कुकरू में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इसके बाद प्रशासन अकादमी में प्रतीक स्वरूप बच्चों को दवा पिलाई गई। यह तीन दिवसीय अभियान 29 और 30 जून को घर-घर जाकर संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बेटियों के टीकाकरण में देश में अग्रणी है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से संभव हुई है। कार्यक्रम में एचपीवी टीकाकरण और स्वस्थ यकृत मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित किया गया। राजगढ़, डिंडौरी और मुरैना ने सर्वाइकल कैंसर रोकथाम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि बालाघाट, छिंदवाड़ा और शाजापुर को यकृत मिशन में सम्मान मिला।

उप मुख्यमंत्री ने भी की सराहना

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को जमीन पर उतारने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मात्र दो महीनों में आठ लाख से अधिक बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण किया गया है। साथ ही लगभग डेढ़ करोड़ लोगों की लिवर जांच की गई, जिसमें फैटी लिवर के कई मामले सामने आए हैं। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि ÷सुमन पंचायत÷ के माध्यम से मातृ और शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जीवनशैली आधारित बीमारियों की पहचान और रोकथाम के लिए स्क्रीनिंग अभियान बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनभागीदारी और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

भोपाल में भू-माफियाओं पर आसमान से नजर

सरकारी जमीनों की सैटेलाइट से होगी लाइव मॉनिटरिंग कब्जा होते ही मिलेगा अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल सहित इसके आसपास की बेशकीमती सरकारी जमीनों को भू-माफियाओं और अतिक्रमण की चपेट से सुरक्षित रखने के लिए जिला प्रशासन एक हाईटेक व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके तहत अब सैटेलाइट के लाइव एक्सेस के जरिए सीधे आसमान से सरकारी जमीनों की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। इस नई मॉनिटरिंग प्रणाली के लागू होने से सरकारी जमीन पर जैसे ही कोई नया अवैध कब्जा करने की कोशिश करेगा, प्रशासन को तुरंत इसकी डिजिटल जानकारी मिल जाएगी।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने भोपाल की सरकारी जमीनों को हर हाल में अतिक्रमण मुक्त रखने की कड़क जिम्मेदारी जिले के सभी एसडीएम को सौंपी है। इस पूरी व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक विशेष राजस्व सेल का गठन किया जाएगा। यह सेल मुख्य रूप से सैटेलाइट इमेज के आधार पर अतिक्रमणों को चिन्हित करने का कार्य करेगा। सैटेलाइट से अलर्ट मिलते ही संबंधित क्षेत्र के पटवारी से मौके का सत्यापन कराया जाएगा और फिर एसडीएम व तहसीलदार की टीम तत्काल एक्शन लेते हुए अवैध निर्माण को ढहा देगी। प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि केवल नए कब्जे ही नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पुराने अवैध कब्जों को भी चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। इसके साथ ही, सरकारी जमीनों पर बसी झुग्गी बस्तियों को भी नियमानुसार दूसरी जगह शिफ्ट करने का प्लान तैयार कर लिया गया है।

तैयार हुआ 32 हजार एकड़ का लैंड बैंक, आवंटन होगा आसान

जिला प्रशासन के लिए बड़े रकबे वाली जमीनों को भू-माफियाओं से बचाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। इसके स्थाई समाधान के लिए जिले में सरकारी जमीनों का एक विस्तृत लैंड बैंक तैयार करने की योजना अब अपने अंतिम चरण में है। वर्तमान में भोपाल में कुल 32 हजार एकड़ सरकारी जमीन चिन्हित की जा चुकी है, जिसका वर्गीकरण इस प्रकार है।

बड़े रकबे वाली जमीन: 22 हजार 250 एकड़ ऐसी जमीन है, जो एक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाली है।

छोटे रकबे वाली जमीन: 9 हजार 490 एकड़ जमीन ऐसी है, जो एक एकड़ से कम क्षेत्रफल के दायरे में आती है।

इस डिजिटल लैंड बैंक और सैटेलाइट मॉनिटरिंग के लागू होने से पटवारियों को बार-बार निरीक्षण के लिए मौके पर दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

आउटसोर्स कर्मचारियों की न्याय दिलाओ सभा में शामिल होंगे नाथ, 20 को भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेशभर के आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने 20 जुलाई को भोपाल में न्याय दिलाओ सभा आयोजित करने की घोषणा की है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ मुख्य अतिथि होंगे। इससे पहले 14 जुलाई को सभी जिलों में मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश की प्रदेश स्तरीय बैठक रविवार को भोपाल के नीलम पार्क में आयोजित हुई। बैठक की

अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने की, जबकि संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने किया। बैठक में प्रदेश के 25 से अधिक जिलों और 10 से ज्यादा कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 14 जुलाई को प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

मोर्चा ने विधानसभा सत्र के दौरान 20 जुलाई को भोपाल में प्रदेशभर के आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों की न्याय दिलाओ सभा आयोजित करने का भी निर्णय लिया। इस सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सभा में कर्मचारियों की मांगों, रोजगार की सुरक्षा, सभी विभागों में न्यूनतम वेतन लागू कराने और सरकारी विभागों में स्थायी भर्ती नीति बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। साथ ही आगे के आंदोलन की रणनीति भी घोषित की जाएगी।

पांच बार बदला गया इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी का प्रस्ताव

140 किमी दूर के शहर भी जोड़ दिए गए

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया के प्रस्ताव में पांच बार बदलाव किया गया और हर बार इसका दायरा बढ़ाया गया। पहले इसका दायरा साढ़े छह हजार वर्ग किलोमीटर था। अंतिम प्रस्ताव 16 हजार वर्ग किलोमीटर का था, जिसे मंजूरी दे दी गई। एक साथ छह जिलों को जोड़े जाने को भी मास्टर प्लान से जुड़े विशेषज्ञ उचित नहीं मान रहे हैं।

इंदौर से रतलाम की दूरी 140 किलोमीटर है, फिर भी उसे उज्जैन-इंदौर महानगर क्षेत्र में शामिल किया गया है। यदि महानगर प्राधिकरण के कार्यालय में रतलाम के लोगों को आना

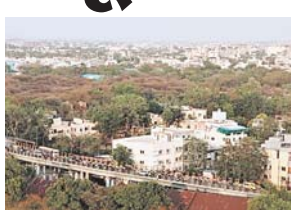

होगा, तो उन्हें लगभग दो घंटे का सफर तय करना पड़ेगा।

इंदौर को महानगर बनाने की कवायद हो रही है, लंबे समय से इसकी दरकार भी थी। लेकिन अब यह प्रक्रिया सवालों के घेरे में है, क्योंकि इंदौर के अलावा पांच अन्य जिलों को महानगर में जोड़ दिया गया है। नाम में भी उज्जैन को प्राथमिकता देकर इंदौर को हाशिए पर रखकर पीछे धकेल दिया गया। मेट्रो ट्रेन का संचालन लोकार्पण की देरी से टल गया, मास्टर प्लान अभी तक नहीं आ पाया है। इस तरह के तमाम मुद्दों पर शहरवासी खुद को अब ठगा महसूस करने लगे हैं। कहीं न कहीं इन सबके पीछे मेट्रोपॉलिटन प्रस्ताव को देखा जा रहा है।

पहले चार जिले शामिल थे

जब मेट्रोपॉलिटन एरिया का पहला प्रस्ताव तैयार हुआ था, तब उसमें इंदौर, उज्जैन, धार और देवास जिले शामिल थे। उस समय इसका दायरा 6,613 वर्ग किलोमीटर था। बाद में इसमें बदनावर और बड़नगर को भी शामिल किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने संशोधित प्रस्ताव में शाजापुर और मक्सी को भी जोड़ दिया, जिससे इसका क्षेत्रफल बढ़कर 16 हजार वर्ग किलोमीटर हो गया। मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा 16 हजार वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का फैसला बहुत अधिक फायदेमंद नहीं रहेगा, क्योंकि किसी क्षेत्र का विकास और बसाहट अपने हिसाब से समय लेते हैं। इंदौर प्रदेश का सबसे बड़ा और तेजी से विकसित होने वाला शहर है, लेकिन पिछले 20 वर्षों में बसाहट मुख्य रूप से बायपास क्षेत्र की ओर ही बढ़ी है। सुपर कॉरिडोर पर आज भी अपेक्षित स्तर पर बसाहट शुरू नहीं हो पाई है। इस हिसाब से मेट्रोपॉलिटन एरिया के अन्य हिस्सों को विकसित होने में काफी समय लगेगा।

भोपाल दुग्ध संघ का बड़ा फैसला

दूध की खरीद दर बढ़कर हुई 870 रुपए प्रति किलो फैट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल दुग्ध संघ ने दुग्ध उत्पादकों को बड़ी राहत देते हुए दूध खरीद दर में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। संघ ने दूध की खरीद दर बढ़ाकर 870 रुपये प्रति किलोग्राम फैट कर दी है। नई दरें 25 जून से प्रभावी हो चुकी हैं। संघ के अनुसार यह अब तक की सबसे अधिक खरीद दर है।

दुग्ध संघ का कहना है कि यह निर्णय पशुपालकों की आय बढ़ाने और डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। राज्य सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से नई दुग्ध समितियों के गठन के बाद 50 हजार से अधिक पशुपालक इस व्यवस्था से जुड़े हैं।

20 प्रतिशत से ज्यादा हुआ दूध का संग्रहण

संघ के मुताबिक, दुग्ध संग्रहण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बीते वर्ष की तुलना में औसत दूध संग्रह में 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे दुग्ध उत्पादन और विपणन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है। दूध उत्पादकों ने खरीद दर में वृद्धि और समय पर भुगतान की व्यवस्था का स्वागत करते हुए इसे उनकी आय बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है

मेट्रो एंकर — मध्यप्रदेश की कृषि विरासत को वैश्विक पहचान

चार विशिष्ट फसलों को मिला जीआई टैग, बढ़ेगी किसानों की आय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के कृषि क्षेत्र के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत राज्य की चार विशिष्ट कृषि उपजों—सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी, बैगानी अरहर और छत्रिय धान—को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) मिल गया है। इस उपलब्धि से महाकौशल क्षेत्र के किसानों में उत्साह की लहर दौड़ गई है। अब इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान और मजबूत ब्रांड वैल्यू प्राप्त होगी।

राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार जैविक, प्राकृतिक और पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने के साथ कृषि उत्पादों के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष ध्यान दे रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के तकनीकी सहयोग से यह उपलब्धि संभव हो सकी है। जीआई टैग मिलने से इन फसलों को कानूनी संरक्षण मिलेगा और उनकी बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। इससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और कृषि निर्यात को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। पूर्व में सीहोर के शरबती गेहूं और रीवा के सुंदरजा आम को भी जीआई टैग मिल चुका है। अब इन चार नई फसलों के जुड़ने से प्रदेश की कृषि पहचान और मजबूत हुई है। कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य विशिष्ट उपजों को भी जीआई टैग दिलाने की दिशा में कार्य जारी रहेगा। इन चारों फसलों का संबंध मुख्य रूप से महाकौशल और आदिवासी बहुल क्षेत्रों से है, जिससे डिंडोरी, मंडला, अनूपपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल, उमरिया और बालाघाट जैसे जिलों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इन उत्पादों की मांग बढ़ने से स्थानीय किसानों की आय में वृद्धि होगी और पारंपरिक खेती को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

सिताही कुटकी और नागदमन कुटकी बनीं किसानों की ताकत

सिताही कुटकी मात्र 60 दिन में तैयार होने वाली छोटी बाजरा (लिटिल मिलेट) की देशी किस्म है, जो सूखा, कम उपजाऊ मिट्टी और कीटों के प्रति अत्यधिक सहनशील है। यह पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त फसल है और डिंडोरी के हजारों आदिवासी किसानों के लिए आजीविका का मजबूत साधन बनी हुई है। डिंडोरी में इसकी खेती हजारों हेक्टेयर क्षेत्र में की जा रही है, जिससे हजारों किसानों की आजीविका और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। वहीं नागदमन कुटकी अपने औषधीय गुणों और उच्च पोषण मूल्य के लिए जानी जाती है। यह स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य और आय दोनों का महत्वपूर्ण स्रोत बन रही है। बैगानी अरहर एक विशेष किस्म की दाल है, जिसमें उच्च प्रोटीन और रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। यह प्रति हेक्टेयर 15 से 20 क्विंटल तक उत्पादन देने में सक्षम है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

नागरिकता का प्रमाण

एक समय था जब किसी भारतीय की पहचान उसके गांव, उसकी बोली और उसके तिरंगे से जुड़ी होती थी। आज समय बदल गया है। पहचान अब दस्तावेजों की फाइलों में सिमटती जा रही है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिन दस्तावेजों को जीवन भर संभालकर रखने की सलाह दी जाती है, वही आज नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माने जाते। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है-यदि पासपोर्ट नहीं, आधार नहीं, पैन नहीं, राशन कार्ड नहीं और मतदाता पहचान पत्र भी नहीं, तो आखिर एक सामान्य भारतीय अपनी भारतीयता किस आधार पर सिद्ध करे? यह प्रश्न केवल कानून का नहीं, बल्कि उस विश्वास का भी है जिस पर लोकतंत्र टिका होता है। विदेश यात्रा के दौरान पासपोर्ट ही दुनिया को बताता है कि उसका धारक भारतीय है, लेकिन देश के भीतर वही पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाता। आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, पर नागरिकता का नहीं। मतदाता पहचान पत्र लोकतंत्र में भागीदारी का अधिकार देता है, पर उसे भी अंतिम प्रमाण नहीं माना जाता। ऐसे में करोड़ों नागरिकों के मन में असमंजस पैदा होना स्वाभाविक है। देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। अवैध घुसपैठ पर नियंत्रण और नागरिकों का स्पष्ट रिकॉर्ड किसी भी संप्रभु राष्ट्र की जिम्मेदारी है। इस पर किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। लेकिन सुरक्षा की व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब वह स्पष्ट, पारदर्शी और नागरिकों में भरोसा पैदा करने वाली हो। यदि वर्षों से कर चुकाने वाला, मतदान करने वाला और सरकारी अभिलेखों में दर्ज व्यक्ति भी स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे, तो यह स्थिति गंभीर विचार की मांग करती है। आजादी के आठ दशक पूरे होने को हैं। इस दौरान नागरिकता कानून में कई बार संशोधन हुए, पहचान से जुड़े अनेक दस्तावेज बनाए गए और डिजिटल व्यवस्था को भी मजबूत किया गया। इसके बावजूद यदि आम नागरिक के मन में यह संशय बना रहे कि आवश्यकता पड़ने पर उसकी नागरिकता किस दस्तावेज से सिद्ध होगी, तो यह केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नीतिगत चुनौती भी है। सरकार के सामने दोहरी जिम्मेदारी है। एक ओर अवैध प्रवास और फर्जी दस्तावेजों पर कठोर नियंत्रण सुनिश्चित करना, दूसरी ओर वास्तविक भारतीय नागरिकों के मन से हर प्रकार का भ्रम और भय दूर करना।

पिछड़ी जातियों की गरीबी विचारणीय लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण मान्य नहीं

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

मतांतरण से आरक्षण नहीं मिलता। इस्लाम अपनाने वाला व्यक्ति अपना मत बदल कर मुसलमान हो सकता है लेकिन पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं रह जाता। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा है कि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी उपदेशकों ने सदियों तक अपने-अपने पंथ की प्रशंसा की है कि उनके यहां सामाजिक समता है। बराबरी है। भेदभाव नहीं है। हिन्दुओं में जाति व्यवस्था है। कोर्ट ने कहा है कि उसका मत है कि कुछ वर्गों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा बताना कुरान की शिक्षा के विपरीत है। फिर इस्लाम का तो दावा ही बराबरी वाला समाज बनाना है। बहुत लम्बे समय से ईसाई और इस्लामी धर्म उपदेशक धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी पिछड़े वर्गों की सुविधाएं मांगते रहे हैं। भिन्न-भिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों ने ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं और फैसले सुनाए हैं। लेकिन राजनीतिक दलतंत्र द्वारा धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी आरक्षण की सुविधा मांगी जाती रही है। इस दफा न्यायालय ने साफ कर दिया है कि सिर्फ मतांतरण करने से किसी व्यक्ति का वर्ग नहीं बदलता और मतांतरित व्यक्ति को पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं माना जा सकता।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के मार्च 2024 के आदेश को असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द कर दिया है। सरकारी आदेश में मतांतरण करने वाले व्यक्ति को मुस्लिम पिछड़ा वर्ग का सदस्य माना गया था। मतांतरित व्यक्ति को भी पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था। यह चर्चित फैसला मद्रास हाई कोर्ट की पीठ ने 25 जून को सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय सम्यक विचारोपरान्त एक ऐसे मामले में दिया है, जिसमें एक व्यक्ति, जिसका जन्म हिन्दू परिवार में हुआ था और बाद में उसने हिन्दू धर्म छोड़ कर अपना नाम समीर अहमद रख लिया था। मुसलमान हो जाने के बाद उसने स्वयं को मुस्लिम लेब्बाई समुदाय का सदस्य बताया। उसने अपने तहसीलदार से पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की मांग की। तहसीलदार ने उसका आवेदन खारिज कर दिया। तब वो हाईकोर्ट पहुंचा।

तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। लेकिन कोर्ट ने यह दलील नहीं मानी और स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का आधार पंथ या मजहब नहीं होता। बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन होता है। कोर्ट ने साफ किया कि संवैधानिक श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग को एक साथ मिला कर नई श्रेणी बनाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है।

मद्रास हाई कोर्ट ने ही 1951 के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि, 'जब कोई हिन्दू इस्लाम अपनाता है तो वह सिर्फ मुसलमान बनता है। समाज में उसकी प्रतिष्ठा जाति के आधार पर नहीं होती। हिन्दू धर्म छोड़ते ही वह अपनी मूल जाति का सदस्य नहीं रह जाता।' आरक्षण का मसला भारत की संविधान सभा में भी आया था। मजहबी आधार पर ही देश का विभाजन हो चुका था। संविधान सभा बड़े उदास क्षणों में आरक्षण पर विचार कर रही थी। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अगुवाई में अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति बनाई थी। समिति ने अपनी सिफारिश में मजहबी आरक्षण को सिरे से खारिज कर दिया था।

सभा की अल्पसंख्यक अधिकारों, मूलाधिकारों संबंधी समिति के सभापति सरदार पटेल ने संविधान सभा में समिति की रिपोर्ट (25 मई, 1949) पेश की। लगातार दो दिन (25 व 26 मई, 1949) बहस हुई। जगत नारायण लाल ने कहा, 'भारत एक लौकिक (सेकुलर) राज्य होगा। उसके बाद रक्षणों की कोई मांग नहीं होनी चाहिए। जहाँ तक अनु. जातियों का प्रश्न है उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए होने के कारण ही रक्षण दिया गया है।' ज्यादातर सदस्यों ने अनु. जाति के अस्थाई आरक्षण को सही बताया लेकिन 'आरक्षण' की मूल भावना को कोसा। नजीरुद्दीन अहमद ने कहा, 'मैं समझता हूँ कि किसी प्रकार के रक्षण स्वस्थ राजनीतिक विकास के प्रतिकूल हैं। उनसे एक प्रकार की हीन भावना प्रकट होती है। .....श्रीमान रक्षण ऐसा रक्षा उपाय है जिससे वह वस्तु जिसकी रक्षा की जाती है वह नष्ट हो जाती है। जहाँ तक अनु. जातियों का संबंध है, हमें कोई शिकायत नहीं है।' जेड.एच. लारी ने मुस्लिम आरक्षण की पैरवी करते हुए कहा, 'आपको अनु. जाति के हितों की चिंता है। मुसलमानों के हितों की परवाह नहीं। अनु. जाति के स्थान रक्षण सिद्धांत के साथ क्या आप यह भी नहीं स्वीकार करते कि आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध नहीं है?' आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध होता है। आरक्षण एक विशेष अस्थाई उपाय है। इसके नफा-नुकसान पर सम्यक विचार नहीं हुआ।

नेहरू सरकार ने जाति के अलावा पिछड़ेपन का आधार जाँचने की कोई दीगर कसौटी खोजने की बात की। वीपी मण्डल के नेतृत्व में दूसरा आयोग बना। मण्डल आयोग की रिपोर्ट (1980) में 'जाति' को पिछड़ेपन का आधार बनाया गया। आयोग ने पिछड़ी जातियों की सूची भी बनाई। मण्डल ने गरीबी हटाने के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को आरक्षण से अलग रखने की आश्चर्यजनक बात कही, 'गरीबी हटाने की राष्ट्रीय समस्या के अंतर्गत अन्य पिछड़ी जातियों को ऊपर उठाने की समस्या आती है। पर यह बात अंशतः ही सही है। अन्य पिछड़ी जातियों का अभावग्रस्त होना एक अलग बड़ी राष्ट्रीय समस्या है।' (रिपोर्ट, पृ. 62) यानी देश के बाकी जनों की गरीबी अलग समस्या है। पिछड़ी जातियों की गरीबी भी विचारणीय है। लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण मान्य नहीं है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने वाले जल योद्धा किशोर जायसवाल

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसे केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रखकर, आम जनता, विशेषकर जहाँ भू-जल स्तर और स्थानीय नदियों (जैसे गंगा) की स्थिति महत्वपूर्ण है, हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी बनानी होगी ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रहे।

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि इस बात से भी होता है कि वह अपने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति कितना संवेदनशील है। आज जब जलवायु परिवर्तन, भूजल का लगातार गिरता स्तर, नदियों का प्रदूषण और जल संकट पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं, तब इस दौर कुछ खास लोग होते हैं, जो इस चुनौती को कबूल करते हुए काम करते हैं और अपने जीवन को जल संरक्षण और पर्यावरण रक्षा के लिए समर्पित कर देते हैं, इन्हीं में एक नाम है किशोर जायसवाल का। बिहार के मुंगेर निवासी किशोर जायसवाल ऐसे ही एक पर्यावरण कार्यकर्ता हैं, जिन्हें वर्ष 2025 में जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय जल पुरस्कार (व्यक्तिगत श्रेणी) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदान किया।

यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस विचार की स्वीकृति है कि यदि समाज की भागीदारी से जल संरक्षण का कार्य किया जाए तो सूखे और जल संकट जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। किशोर जायसवाल ने तीन दशकों से अधिक समय तक वर्षा जल संचयन, जलग्रहण क्षेत्र विकास, भूजल पुनर्भरण और गंगा संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य किया है। उनके प्रयासों ने बिहार और झारखंड के अनेक क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाने और कृषि को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मुंगेर जिले के ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े किशोर जायसवाल ने बचपन से ही जल संकट की कठिनाइयों को देखा। उन्होंने समझा कि पानी का संकट केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि प्रबंधन का भी संकट है। यही अनुभव आगे चलकर उनके जीवन का उद्देश्य बन गया। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने सुविधाजनक करियर की बजाय समाज और पर्यावरण के लिए कार्य करने का मार्ग चुना। वे जल संरक्षण को सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान मानते हैं।

वे सोसायटी फॉर वाटरशेड एंड रूरल डेवलपमेंट के माध्यम से वर्षों से जलग्रहण विकास, वर्षा जल संचयन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब वहाँ जल सुरक्षा सुनिश्चित हो। इसलिए उन्होंने जल संरक्षण को कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा। उनके नेतृत्व में अनेक गाँवों में चेक डैम, तालाब, जल संचयन संरचनाएँ, खेत-तालाब और भूजल पुनर्भरण के कार्य किए गए। इन प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि हजारों हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की स्थिति बेहतर हुई, भूजल स्तर में सुधार आया और किसानों की उत्पादकता बढ़ी। रिपोर्टों के अनुसार उनके प्रयासों से लगभग 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र में जल संरचनाओं का विकास हुआ, जिससे स्थानीय समुदाय को दीर्घकालिक लाभ मिला।किशोर जायसवाल का कार्य केवल तकनीकी समाधान तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने ग्रामीण समुदायों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का व्यापक अभियान चलाया। उनका विश्वास है कि जल संरक्षण तभी सफल होगा जब समाज स्वयं इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करेगा। इसी कारण उनके कार्यक्रमों में सामुदायिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया।

उन्होंने गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण को भी अपने कार्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। उनका मानना है कि नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि संस्कृति, कृषि और जीवन का आधार है। यदि नदियों का संरक्षण नहीं होगा तो जल संकट और गहराता जाएगा। इस दृष्टि से उनके कार्य पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के व्यापक लक्ष्य से जुड़े हुए हैं।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दिए जाने वाले राष्ट्रीय जल पुरस्कार का उद्देश्य देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जल संसाधनों के सतत उपयोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना है। वर्ष 2025 में किशोर जायसवाल को जल क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति श्रेणी में चुना गया। वे पूर्वी भारत से इस श्रेणी में सम्मानित होने वाले प्रमुख व्यक्तियों में शामिल रहे। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाना उनके कार्यों की राष्ट्रीय मान्यता का प्रतीक है। यह सम्मान बिहार के लिए भी गर्व का विषय है, क्योंकि इससे यह संदेश गया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में किया गया सामाजिक और पर्यावरणीय कार्य भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त कर सकता है।

आज भारत जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। कई राज्यों में सूखा, अनियमित वर्षा और भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय है। ऐसी परिस्थितियों में किशोर जायसवाल का कार्य एक व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत करता है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि बड़े बाँधों और विशाल परियोजनाओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे जल संरक्षण उपाय भी अत्यंत प्रभावी हो सकते हैं।

किशोर जायसवाल का जीवन हमें यह संदेश देता है कि यदि दृढ़ संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और समाज के प्रति प्रतिबद्धता हो तो एक व्यक्ति भी व्यापक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। उनका कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है, जिसकी रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। राष्ट्रपति सम्मान से अलंकृत किशोर जायसवाल ने यह सिद्ध किया है कि वास्तविक नेतृत्व वही है जो समाज की मूलभूत समस्याओं का समाधान खोजने में अपना जीवन समर्पित कर दे। जल संरक्षण के क्षेत्र में उनका योगदान न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

बार-बार ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या... थायरॉइड भी हो सकता है एक कारण

मोटापा, खानापान की अनियमित आदतों, तनाव, अधिक नमक का सेवन करने से लोगों में हाई ब्लड प्रेशर का जोखिम बढ़ जाता है। लेकिन, यदि आपको बार-बार ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या हो रही है तो यह किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या जैसे थायरॉइड में गड़बड़ी का भी संकेत हो सकता है। जब शरीर में पर्याप्त थायरॉइड संबंधी हार्मोन्स नहीं बन पाते हैं तो ऐसे में ब्लड प्रेशर में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

भारत में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीजों में तेजी से इजाफा हो रहा है। इसके पीछे खानपान की गलत आदतें और कई हेल्थ कंडीशन्स जिम्मेदार हो सकती हैं। सामान्यतः लोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को केवल तनाव, मोटापा, धूम्रपान या असंतुलित खानपान से जोड़कर देखते हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर बलबीर सिंह बताते हैं कि यह अंदरूनी हार्मोनल समस्या जैसे थायरॉइड डिसऑर्डर का भी संकेत हो सकता है। थायरॉइड ग्रंथि शरीर के कई मुख्य कार्यों को नियंत्रित करती है, जब यह ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है तो इसका प्रभाव हृदय और ब्लड प्रेशर दोनों पर ही पड़ता है। आगे जानते हैं कि इन दोनों के बीच क्या कनेक्शन होता है।

कई स्टडी बताती हैं कि हाइपोथायरायडिज्म और हाई ब्लड प्रेशर के बीच सीधा संबंध हो सकता है। हाइपोथायरायडिज्म में शरीर पर्याप्त मात्रा में थायरॉक्सिन (T4) और ट्राईआयोडोथायरोनिन (T3) हार्मोन नहीं बना पाता। ये हार्मोन शरीर के मेटाबॉलिज्म, हृदय की गति और रक्त वाहिकाओं में लचीलापन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉक्टर बताते हैं कि हाइपोथायरायडिज्म होने पर ब्लड प्रेशर को मैनेज किया जा सकता है। बस कुछ दवाओं से बचना चाहिए। कुछ दवाएं जैसे बीटा-ब्लॉकर्स और कुछ कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स दिल की धड़कन को धीमा कर सकती हैं। ऐसा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि हाइपोथायरायडिज्म ज्यादातर मामलों में मरीज की दिल की धड़कन धीमी होती है। हालांकि, यह मरीज की दिल की धड़कन पर निर्भर करता है।
हाइपोथायरायडिज्म से दिल की धड़कन धीमी होती है और कई दवाएं भी ऐसा ही करती हैं, इसलिए दवाओं लेते समय डॉक्टर से संपर्क करें।

सुविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है।
-अज्ञात

निशाना

भूल गए हैं....!

बाबूलाल कदम

मौलिकको हम भूल गए हैं,
आँधी में आमूल गए हैं।
पल भर में फट जाने वाले,
गुब्बारे कुछ फूल गए हैं।
झूल रहे हैं हम हिंडोले,
वो फाँसी पर झूल गए हैं।
अब तो उनसे पढ़ना सीखें
जो लोग नहीं स्कूल गए हैं।
वे रस्ते हैं सूने जिन पर,
गौतम गाँधी रसूल गए हैं।
डालों से फूलों के जैसे
तोड़े नियम उसूल गये हैं।

नॉलेज

तेज रफ्तार से भागने के कारण इंडियन रैट स्नेक का नाम रखा गया 'घोड़ा पछाड़'!

भारत में गर्मी का पारा चढ़ते ही 'घोड़ा पछाड़' यानी धामन सांपों का खौफ बढ़ गया है। इंसानों को देखते ही हवा की रफ्तार से भागने और पीछा करने के दावों इस सांप को लेकर कई तरह के सवाल उठते हैं। भारत में गर्मियों का मौसम आते ही इंसानों और सांपों का आमना-सामना होना बेहद आम बात हो जाती है। लेकिन देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में एक ऐसे सांप को लेकर सबसे ज्यादा कहानियां और खौफ फैला हुआ है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह काटता कम है और इंसानों को दौड़ाता ज्यादा है। इस सांप को आम बोलचाल की भाषा में 'घोड़ा पछाड़', 'धामन' या अंग्रेजी में 'इंडियन रैट स्नेक' (Indian Rat Snake) कहा जाता है।

धामन सांप को 'घोड़ा पछाड़' कहने के पीछे इसकी अविश्वसनीय और तूफानी रफ्तार है। भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले सांपों में यह सबसे तेज रेंगने वाले सांपों में से एक है। ग्रामीण इलाकों में यह अंधविश्वास है कि यह सांप इंसानों को देखकर उनके पीछे दौड़ पड़ता है। लेकिन वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह पूरी तरह एक भ्रम है। दरअसल, धामन बेहद शर्मीले स्वभाव का सांप होता है। जब अचानक कोई इंसान इसके सामने आ जाता है, तो यह डरकर अपनी जान बचाने के लिए भागने का रास्ता ढूंढता है। अगर इंसान उसी रास्ते की तरफ खड़ा हो जहां सांप का बिल या छिपने की जगह है, तो ऐसा लगता है कि सांप इंसान की तरफ ही दौड़ रहा है।

इंसानी बस्तियों के आसपास डेरा: गर्मी के दिनों में ये खुद को ठंडा रखने के लिए इंसानी बस्तियों के आसपास ऐसी जगहों को चुनते हैं जहां ठंडक और नमी बनी रहे। पुराने और मिट्टी के घरों, गोदामों, और लकड़ियों के ढेरों के नीचे इन्हें ठंडक मिलती है। गर्मियों में अक्सर ये पानी की तलाश में घरों के बाथरूम, वाशबेसिन के नीचे या पानी की टंकियों के पास कुंडली मारकर बैठ जाते हैं। चूहों की तलाश में ये खेतों, फसलों के बीच और घने पेड़ों पर भी आसानी से चढ़ जाते हैं।

आकार में 8 से 10 फीट तक लंबे होने वाले इन सांपों को देखकर लोग भले ही डर जाएं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ये इंसानों के लिए बिल्कुल भी खतरनाक नहीं होते। घोड़ा पछाड़ या धामन पूरी तरह से बिना जहर वाले सांप होते हैं। इनके काटने से किसी इंसान की मौत नहीं हो सकती। इनका मुख्य हथियार इनका जहर नहीं, बल्कि चूहों को दबोचने की इनकी रफ्तार और ताकत होती है।

वायरल कंटेंट

जान है तो जहान है... हसीन वादियों में हनीमून पर बीवी के साथ बॉडीगार्ड ले गया पति

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स अपनी पत्नी के साथ खूबसूरत पहाड़ी वादियों में नजर आता है। कुछ ही सेकंड की ये क्लिप लोगों का ध्यान खींच लेती है और देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो जाती है। अब यूजर्स इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं और इसे अलग-अलग तरीके से शेयर कर रहे हैं।

सोनम रघुवंशी, सिया और मुस्कान, इन महिलाओं के नाम से तो आप वाकिफ होंगे। ये उन महिलाओं के नाम हैं जिनकी वजह से पूरे मर्द समाज में दहशत फैली हुई है। एक तरफ कुवांरों को शादी करने में डर लग रहा तो दूसरी तरफ शादीशुदा वालों की रातों की नींद उड़ी हुई है। ऐसे में एक पति हनीमून पर पत्नी के साथ-साथ शख्स बॉडीगार्ड्स को भी साथ ले गया। ये मजेदार वीडियो देख लोग हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

रोमांटिक पोज देता हुआ कपल: वीडियो में साफ देखा जा सकता है नीला आसमान, सफेद बादल, चारों तरफ हरियाली और पहाड़ की चोटी में रोमांटिक पोज देता हुआ कपल... लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि उस जगह वो कपल अकेला नहीं, बल्कि उनके आसापस बॉडीगार्ड खड़े हैं। वो भी हाथों में हथयार के साथ। बताया जा रहा कि ये शख्स हाल ही में हुए मर्डर केस से इतना डरा हुआ है कि अपने हनीमून पर पत्नी के साथ-साथ बॉडीगार्ड्स को भी ले गया।

वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पोज देते हुए शख्स के चेहरे पर एक अजीब-सा डर दिखाई दे रहा है।

लेकिन वह शख्स चेहरे पर मुस्कान लिए, बेफिक्र हो कर पोज देने लगता है। हालांकि ये वीडियो केवल मनोरंजन के लिए बनाई गई है, पर ये वीडियो आज के ताजा हाल और पतियों की सुरक्षा पर बराबर प्रकाश डाल रहा है, आज की सच्चाई को बयां कर रहा है कि कैसे मुस्कान, सोनम जैसे महिलाओं के लिए उनके पति की जान का कोई मोल नहीं।

श्रमदान अभियानः नागरिकों ने मिलकर बेतवा नदी से निकाला कचरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बेतवा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पिछले छह वर्षों से लगातार चल रहे साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत रविवार को 38वें चरण का स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम गंज पुल-कर्बला क्षेत्र में संपन्न हुआ। आगामी बारिश और संभावित बाढ़ को देखते हुए नदी में जमा प्लास्टिक, पूजन सामग्री, पॉलीथीन एवं अन्य अपशिष्ट को हटाने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में प्रशासन, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने एकजुट होकर श्रमदान किया। अभियान में श्री भारतकांत द्विवेदी के नेतृत्व में फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के लगभग 20 सदस्य शामिल हुए। तहसीलदार अरविंद्र यादव के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोक वर्मा के नेतृत्व में नगर पालिका कर्मचारियों ने भी सक्रिय

भागीदारी निभाई। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव , नितिन यादव के नेतृत्व में अनिल दाऊ फाउंडेशन, अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के राजीव द्विवेदी एवं प्रियांशी, पंचतत्व संरक्षक सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर अभियान को मजबूती प्रदान की। एसडीओपी शिखा भलावी विभागीय व्यस्तता के बावजूद पुलिस बल के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं और स्वयं श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता का संदेश दिया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और श्रमदान दल के सदस्यों ने भी जनजागरूकता अभियान को नई ऊर्जा दी। अभियान के दौरान एक ओर सैकड़ों स्वयंसेवक नदी की तलहटी से प्लास्टिक और कचरा निकालकर बेतवा को स्वच्छ बनाने में जुटे रहे, वहीं दूसरी ओर पुल से गुजर रहे कुछ लोग बेझिझक नदी में कचरा फेंकते नजर आए। सैकड़ों लोगों की मौजूदगी और चल रहे स्वच्छता अभियान के बावजूद यह दृश्य समाज की पर्यावरण के प्रति उदासीन मानसिकता को उजागर करता रहा। श्रमदान के दौरान नदी से भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा, पूजन सामग्री, पॉलीथीन, डिस्पोजेबल वस्तुएं तथा सर्जिकल वेस्ट निकाला गया, जो नदी, जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। लगातार छह वर्षों से हर सप्ताह चल रहा श्रमदान, हजारों घंटों का निस्वार्थ परिश्रम, सैकड़ों समाचारों का प्रकाशन, सोशल मीडिया पर व्यापक जनजागृति और प्रशासन का सहयोग... यदि इसके बाद भी लोग खुलेआम नदी में कचरा फेंक रहे हैं, तो समस्या केवल बेतवा की नहीं बल्कि समाज की सोच और संवेदनहीनता की है। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि बेतवा कब स्वच्छ होगी, बल्कि यह है कि समाज कब जागेगा? यदि नागरिक केवल नदी में कचरा डालना बंद कर दें, तो वर्षों का श्रम और लाखों रुपये के संसाधन बचाए जा सकते हैं तथा बेतवा अपनी प्राकृतिक निर्मलता और पवित्रता पुनः प्राप्त कर सकती है।

न्यूज विंडो

पांढुर्णा के मोहि घाट पर सुबह सड़क हादसा,दो यात्री बसें टकराईं

पांढुर्णा। पांढुर्णा के मोहि घाट पर आज सोमवार सुबह करीब 6:15 बजे सड़क हादसा हुआ। घाट के मोड़ और ढलान पर कुछ ही मिनटों के अंतराल में दो यात्री बसें एक के बाद एक दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। हादसे में 22 से अधिक यात्री घायल हुए, जिनमें से 15 से ज्यादा लोग बसों के भीतर फंस गए थे। जिसमें 6 की हालत गंभीर जिसे नागपुर रेफर किया गया। भोपाल और इंदौर से दोनों बसे पांढुर्णा आ रही थी। हादसे की सूचना मिलते ही राहगीरों, पांढुर्णा पुलिस और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

ओंकारेश्वर में पहाड़ी से गिरा मलबा, चार दुकानें क्षतिग्रस्त

खंडवा। ओंकारेश्वर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से झूला पुल मार्ग पर चार दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना रात में होने से बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन ने मलबा हटाकर लोगों से बारिश के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच रविवार रात एक बड़ा हादसा टल गया। ब्रह्मपुरी क्षेत्र में झूला पुल मार्ग स्थित राठौर धर्मशाला के नीचे चढ़ाई के पास रात करीब 11:20 बजे पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरे। मलबे की चपेट में आने से रवि केवट, प्रवीण केवट, अरुण केवट सहित एक अन्य दुकानदार की चार दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। दुकानों में रखा सामान भी मलबे में दब गया, जिससे दुकानदारों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ। अच्छी बात ये रही है यह घटना उस समय हुई, जब सभी दुकानें बंद हो चुकी थीं और दुकानदार अपने-अपने घर जा चुके थे। यदि यह हादसा दिन में या श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान होता, तो बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था। रात्रि की वजह से बड़ा हादसा टल गया। झूला पुल मार्ग तीर्थयात्रियों का प्रमुख मार्ग होने के कारण यहां दिनभर भारी भीड़ रहती है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी। मलबा सड़क पर फैल जाने से कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ और लोगों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया। सोमवार सुबह नगर परिषद ओंकारेश्वर की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से मलबा हटाने का कार्य शुरू कराया। सीएमओ मोनिका पारधी ने बताया कि अत्यधिक वर्षा के कारण पहाड़ी से मलबा खिसककर सड़क पर आ गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

कटनी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो ट्रकों की सामने से जोरदार भिड़ंत

कटनी। जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मझगवां ग्राम बस स्टैंड के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर दो ट्रकों की सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में किसी की जान तो नहीं गई, लेकिन हाईवे पर करीब दो घंटे तक चक्काजाम की स्थिति बनी रही। हादसे में चारों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वन परिक्षेत्र गुड़ी के आमाखुजरी के जंगल में अतिक्रमणकारियों ने वनकर्मियों पर किया हमला

जंगल में कब्जे के लिए अतिक्रमणकारियों ने बहाया वनकर्मियों का खून, बरसाए लाठी पत्थर, 12 घायल

खंडवा। दोपहर मेट्रो

आमाखुजरी बीट के कक्ष क्रमांक 748 एवं 749 में अतिक्रमणकारी रविवार सुबह से ही बोवनी करने पहुंचे थे। बड़ी संख्या में लोग जंगल में एक साथ मौजूद रहकर वनकर्मियों पर नजर रख रहे थे। इस बीच गश्त कर रहे करीब 40 वनकर्मी दोपहर में अतिक्रमण कारियों को रोकने पहुंचे। वनकर्मी हल को रोककर जब्त करने का प्रयास कर रहे थे तभी उन पर हमला हो गया। इस दौरान उनकी अतिक्रमण कारियों से झड़प हो गई। महिलाओं को आगे कर अतिक्रमण कारियों ने लट्ठ बरसाए। महिलाओं ने भी वर्दी फाड़ दी। वनकर्मियों पर गोफन और पत्थर से हमला कर दिया। इससे वनकर्मी अपनी जान बचाते हुए नजर आए। इस बीच अतिक्रमण कारी हल और बैल दोनों वहां से लेकर चले गए।

पत्थर और लट्ठ की मार से वनकर्मी ज्वाला सिंह, प्रदीप सिंह बघेल, रोमांक नायक, शैलेंद्र यादव, राजेंद्र सिंह, चंद्रपाल तोमर, राहुल लोधी और राजेंद्र बागड़ी की घायल गए। जिसमें पांच लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके साथ ही सात से अधिक कर्मचारियों को भी मामूली चोट आई है। इनका मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। घायल रोमांक नायक ने बताया कि आमाखुजरी में अतिक्रमण कारियों

को बोनी करने से रोकने गए थे। इस दौरान अतिक्रमण कारियों ने हमला कर दिया। महिलाओं को आगे करके लट्ठ से हमला कर दिया। इसके बाद पत्थर भी बरसाए हैं। पत्थर लगने से ओर भी साथी घायल हुए हैं। घटना की जानकारी लगने पर डीएफओ राकेश कुमार डामोर जिला अस्पताल पहुंचे। घायल वनकर्मियों से मिलकर घटना की जानकारी ली।

सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी धमकी

अतिक्रमणकारियों ने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की थी। जिसमें वन विभाग को चेता दिया था कि 28 जून को वे जंगल में बोवनी करेंगे, इधर मत आना। लेकिन इस चेतावनी को अनदेखा कर देने से वनकर्मियों की जान पर बन आई। हालांकि इस बार विभाग भी अतिक्रमण हटाने को लेकर सुस्त रहा, जिसके चलते लोग वनकर्मियों पर हावी हो गए। गर्मी के मौसम में होने वाली कार्रवाई तीन बार टाल दी। जिससे उन्हें अतिक्रमण करने का समय मिल गया

अतिक्रमणकारी भी घायल

अतिक्रमणकारियों ने वन कर्मियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। जिला अस्पताल में कृष्णा पिता मेहकाल, रमेश पिता खेमला, सुनील पिता रमेश और रेखा बाई पति प्रकाश सभी निवासी आमाखुजरी को भर्ती किया गया। सभी को मामूली चोट आई है। डीएफओ राकेश कुमार डामोर ने बताया कि इस मामले में नामजद 9 लोगों पर पिपलौदथाने में शिकायत कर प्रकरण दर्ज करवाया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जल्द की जाएगी। जंगल में अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा।

सुबह 4.30 बजे चीख सुनकर पिता ने जलाई लाइट बिस्तर में दिखा सांप; अशोकनगर में बच्ची की मौत

अशोकनगर(दोपहर मेट्रो

बारिश का सीजन शुरू होते ही मध्यप्रदेश में सर्पदंश की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। घटना अशोकनगर जिले के ईसागढ़ क्षेत्र के भरोंली गांव की है, यहां सांप के काटने से एक 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची को रविवार सुबह 4.30 बजे बिस्तर में घुसे सांप ने काटा था। बच्ची को पिता तुरंत बाइक से बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

भरोंली गांव में रहने वाले रंजीत आदिवासी की 6 वर्षीय बेटी रागरी की सांप के काटने से मौत हो गई। शनिवार-दरम्यानी रात परिवार घर में सोया हुआ था। सुबह 4.30 बजे अचानक बच्ची रागरी दर्द से चीख उठी। बेटी की चीख सुनकर पिता रंजीत ने तुरंत लाइट जलाया तो बच्ची के पास बिस्तर में एक सांप नजर आया। पिता रंजीत तुरंत बाइक पर बेटी रागरी को लेकर अस्पताल पहुंचा लेकिन इससे पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल में डॉक्टरों

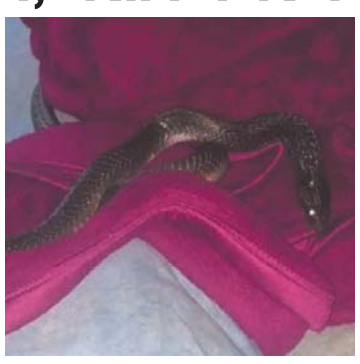

ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि पुराने मकान को तोड़कर नया मकान बनवा रहे हैं, अभी निर्माण कार्य चल रहा है और इसलिए पूरा परिवार झोपड़ी बनाकर जमीन पर सोता है। बीती रात भी सभी जमीन पर सो रहे थे, इसी दौरान सांप ने बेटी रागरी को काट लिया और उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत से गांव में मातम पसर गया है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

बारिश में बढ़ जाता है सांपों का खतरा

बारिश का सीजन शुरू हो चुका है और बारिश के साथ ही सांपों का खतरा भी बढ़ गया है। बारिश होने से सांपों के बिलों में पानी भर जाता है जिसके कारण सांप अपने बिलों से निकलकर लोगों के घरों या फिर किसी सुरक्षित स्थान में घुस जाते हैं। ऐसे में सावधानी बरतना बेहद आवश्यक होता है, क्योंकि एक छोटी सी लापरवाही आपकी जान ले सकती है। सांप के काटने पर कुछ बातों को याद रखने से किसी की भी जान बचाई जा सकती है। इसको लेकर जागरूक होना बेहद जरूरी है। चलिए, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की जानकारी के अनुसार समझते हैं कि सर्पदंश होने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं?

सीमांकन विवाद में पटवारी को घर में बंधक बनाकर पीटा, प्रकरण दर्ज

उमरिया। दोपहर मेट्रो

उमरिया के की पाली तहसील अंतर्गत ग्राम बकेली में राजस्व विभाग के एक पटवारी के साथ कथित मारपीट और बंधक बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। जमीन सीमांकन को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक रूप ले बैठा। पीड़ित पटवारी की शिकायत पर पाली थाना

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, फरियादी गोरेलाल सिंह मार्को (58), निवासी भरहुत, वर्तमान में पटवारी हल्का बकेली में पदस्थ हैं। वे ग्राम बकेली में जमीन सीमांकन का कार्य पूरा कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बड़वाही तिराहा के पास उनकी मुलाकात विपिन सोनी से हुई।

शिकायत के मुताबिक, विपिन सोनी ने सीमांकन के दौरान उसकी जमीन को शासकीय भूमि बताए जाने पर नाराजगी जताई। उसने कथित तौर पर कहा कि आज तक किसी पटवारी ने उसकी जमीन को शासकीय नहीं बताया और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपी ने गालियां देते हुए पटवारी के साथ मारपीट की। पटवारी का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उनकी बाईं कलाई मरोड़ दी, धक्का देकर जमीन पर गिराया और लातों से हमला किया। इसके बाद उन्हें घसीटते हुए अपने घर के अंदर ले जाकर कुछ देर तक बंधक बनाए रखा और वहां भी मारपीट की।

मेट्रो एंकर

हरिद्वार में संतों और विहिप के शीर्ष नेतृत्व की बैठक में लगी मुहर

राम मंदिर आंदोलन के योद्धा जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती बने श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

राम मंदिर आंदोलन के संघर्षशील संतों में अग्रणी रहे तथा रामलला के मंदिर निर्माण के लिए 17 बार जेल जाने वाले जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी डॉ. रामकमलाचार्य वेदान्ती जी महाराज को विश्व हिंदू परिषद द्वारा संचालित श्रीराम जन्मभूमि न्यास, अयोध्या का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। हरिद्वार में आयोजित विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक मंडल की बैठक में देश के प्रमुख शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों, प्रतिष्ठित संतों एवं अखिल भारतीय पदाधिकारियों की सहमति से उनके नाम पर मुहर लगी। इस निर्णय को राम जन्मभूमि आंदोलन के संघर्षशील संतों के योगदान के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान में अमेरिका के न्यू जर्सी में श्रीमद्भागवत कथा एवं रामकथा के कार्यक्रमों में व्यस्त जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती जी महाराज ने दूरभाष पर अपनी नियुक्ति की पुष्टि की। उन्होंने इसे संत समाज और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान बताया। जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती जी की आध्यात्मिक यात्रा गंजबासौदा स्थित श्री नौलखी आश्रम से प्रारंभ हुई। ब्रह्मलीन संत बाबा जगन्नाथ दास जी महाराज के सान्निध्य में उन्होंने धर्म, संस्कार और वैदिक शिक्षा के प्रथम संस्कार प्राप्त

किए। बाद में भोपाल और काशी में वेद, व्याकरण, मीमांसा और वेदांत का गहन अध्ययन कर आचार्य एवं वेदांताचार्य जैसी उपाधियां अर्जित कीं तथा संस्कृत विषय में शोध कर विद्वानों की श्रेणी में प्रतिष्ठित हुए। राम मंदिर आंदोलन में निभाई अग्रिम भूमिका

सन् 1982 में देवराहा बाबा एवं डॉ. अशोक सिंघल के मार्गदर्शन में वे राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े। जनजागरण, संत सम्मेलनों और आंदोलन के नेतृत्व में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। आंदोलन के दौरान उन्हें 17 बार जेल जाना पड़ा तथा तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार के समय लगभग डेढ़ माह तक जेल में भी रहना पड़ा। आज रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद उसी आंदोलन के एक प्रमुख योद्धा को श्रीराम जन्मभूमि न्यास की जिम्मेदारी सौंपा जाना संत समाज के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अनेक साथी बाद में राजनीति में बड़े पदों तक पहुंचे। कई सांसद, विधायक और मुख्यमंत्री बने, लेकिन जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती जी ने सत्ता की बजाय धर्म, संस्कृत, शिक्षा और समाज जागरण का मार्ग चुना। वाराणसी से चुनाव लड़ने के प्रस्ताव भी उन्हें मिले, लेकिन उन्होंने स्वयं को धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के प्रसार के लिए समर्पित रखा। आज वे भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन सहित अनेक देशों में रामकथा, भागवत कथा और सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

श्रीराम जन्मभूमि न्यास वह संस्था है जिसने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान मंदिर निर्माण के संकल्प को संगठित स्वरूप प्रदान किया था। अब अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद आंदोलन की विरासत, उसके मूल उद्देश्यों और संत समाज की भूमिका को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से न्यास को पुनः सक्रिय किया जा रहा है। ऐसे समय में जगद्गुरु डॉ. रामकमलाचार्य वेदान्ती जी महाराज को अध्यक्ष बनाए जाने को संत समाज और रामभक्तों के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

नर्मदा जल योजना: गंदा और मटमैला पानी मिलने से लोगों में आक्रोश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में लगभग 45 किलोमीटर दूर लम्हेटाघाट से लाई गई नर्मदा जल प्रदाय योजना नगरवासियों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बनती जा रही है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई इस योजना के बावजूद नगर के लोग नियमित और स्वच्छ पेयजल के लिए परेशान हैं। कभी पानी की सप्लाई का समय अनिश्चित रहता है, कभी पानी का दबाव इतना कम होता है कि लोगों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता, तो कई बार निर्धारित समय पर पानी आता ही नहीं है।

रविवार को वार्ड क्रमांक-1 में हुई पानी की सप्लाई के दौरान लोगों का गुस्सा उस समय और बढ़ गया जब नलों से गंदा और मटमैला पानी

निकलने लगा। लोगों का कहना है कि जिस नर्मदा जल को फिल्टर कर शुद्ध रूप में उपलब्ध कराने का दावा किया जा रहा है, वह वास्तव में गंदगी से भरा हुआ है। पानी में मिट्टी और अन्य अशुद्धियां साफ दिखाई दे रही थीं, जिससे लोगों में बीमारियों का खतरा बढ़ने की चिंता भी गहरा गई है। स्थानीय नागरिक राजेंद्र शर्मा ने कहा कि लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत वाली यह योजना पूरी तरह असफल साबित हो रही है। उनका कहना है कि यदि यही राशि नगर के पुराने जलाशय की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने पर खर्च की जाती, तो आज नगरवासियों को पानी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने इस योजना को पूरी तरह ओपन फेल बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं रोशनलाल ने बताया कि दो से तीन दिनों के अंतराल में पानी की सप्लाई हो रही है और ऊपर से जो पानी मिल रहा है, वह भी गंदा एवं मटमैला है। उनका कहना है कि ऐसा पानी पीने से लोगों के बीमार होने की आशंका बनी हुई है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद शासन और प्रशासन इस गंभीर समस्या की ओर कोई ठोस ध्यान नहीं दे रहा है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि नर्मदा जल योजना की गुणवत्ता, जल शोधन व्यवस्था और वितरण प्रणाली की तत्काल जांच कराई जाए तथा नियमित, स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। इस संबंध में जब नगर परिषद की उपयंत्री भूपेंद्र सिंह को फोन लगाया गया तो उनका फोन स्विच ऑफ आ रहा था। इस संबंध में जब एसडीएम सीजी गोस्वामी को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

न्यूज विंडो

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ दर्जनों केंद्रों पर पिलाई जा रही दवा

तेंदूखेड़ा। नगर में पूरे 5 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रविवार को 0 से 5 के बच्चों के लिए, राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों ने पिलाई बच्चों को दवा- अभियान की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाकर की गई। इस अवसर पर नगरपरिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी, और विधायक प्रतिनिधि आदित्यराज मोदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आमजन से अपने बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। दर्जनों केंद्रों पर उमड़ी भीड़, स्वास्थ्य अमला मुस्तैद आज सुबह से ही नगर के दर्जनों केंद्रों पर बच्चों को दवा पिलाने का कार्य तेजी से चल रहा है। केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र के सीबीएमओ डॉ. अशोक बरौनियां, पूर्व बीएमओ डॉ. एस. एन. गुप्ता, बीईई इंद्रपाल विश्वकर्मा, दिनेश अवस्थी सहित स्वास्थ्य विभाग के तमाम अधिकारी, कर्मचारी और आशा कार्यकर्ता मुस्तैदी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कल से घर-घर जाकर दस्तक देंगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जो बच्चे आज किसी कारणवश पोलियों बूथ तक नहीं पहुंच पाए हैं, उन्हें कल से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कर्मियों की टीमों द्वारा घर-घर जाकर खोजा जाएगा।

शहर में हुए विचार-विमर्श से निकली देशहित की बात

नरसिंहपुर। शहर में हुए विचार-विमर्श कार्यक्रम के दौरान देशहित की बेहतरीन बात निकलकर सामने आई। जब आयोजन के केन्द्र बिंदू पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश के परिदृश्य के अनुसार संविधान में पंथ निरपेक्ष की जगह सर्वधर्म समभाव की भावना लिखी जाना चाहिए। जो व्यक्तिगत हो। बाहर देश प्रथम के भाव हों। हम समूचे विश्व के परिदृश्य में अनूठे है। हमारे देश के लोगों को सर्वधर्म समभाव के साथ जीने व रहने की जरूरत है। श्री श्रीधर पीजी कॉलेज के सभाकक्ष में गणमान्यजनों से संवाद कर रहे थे। हाल ही में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में हुए दीक्षांत समारोह में उन्हें डी.लिट.की मानद उपाधि दिए जाने के बाद गणनायक फाउंडेशन ने विचार-विमर्श और अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्होंने कहा है कि मौजूदा समय में भी गांधी जी और आचार्य विनोबा भावे की प्रासंगिकता है। समाज में आ रहे बदलाव के साथ नयी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हमारा दायित्व है। श्री श्रीधर ने बताया कि समूचे विश्व में गांधी के प्रति बहुत आदर है। इसी वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस मनाता है और लगभग 100 से ज्यादा देशों ने अपने यहां गांधी जी की याद में डाक टिकट जारी किए हैं। उन्होंने सरदार पटेल की दृढ़ता और व्यावहारिकता का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय के लोग उन्हें विश्वसनीय और संकल्प वाला नेता मानते थे। उन्होंने कहा कि रामायण हमें कैसे रहना है सिखाती है। भगवत गीता हमें जीवन जीने का रास्ता दिखाती है, तो महाभारत यह बताता है कि हमें क्या नहीं करना चाहिए।

मोहर्रम की छुट्टी पर नर्मदा नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत

जबलपुर। जबलपुर में मोहर्रम की छुट्टी पर नर्मदा में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। इस दौरान एक सोहिल गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी दो दोस्त साहिल और साबिर ने हाथ बढ़ाया, लेकिन वह उन्हें भी पकड़कर पानी में खींच ले गया। तीनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर तिलवारा थाना पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों के शव नदी के बीच झाड़ियों में फंसे मिले। 16 से 18 साल के तीनों युवक अपने-अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। वे जबलपुर के मुजावर मोहल्ले के रहने वाले थे और प्राइवेट नौकरी करते थे।

पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी का अब एक और वीडियो वायरल

महिलाओं ने पानी की परेशानी बताई तो शिवपुरी में बीजेपी विधायक ने थमाई पानी की बोतल

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

भाजपा विधायक प्रीतम लोधी का अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शिवपुरी की पिछोर विधानसभा सीट से विधायक प्रीतम लोधी इस वीडियो में एक महिला, जो पानी की समस्या लेकर आई महिला को पानी की बोतल देकर चलते बनते है। वह महिलाओं का हसते हुए बुंदेली में कहते है कि मोए वोट नही दोगी तो कौन को दोगी। यह वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। यह वीडियो शिवपुरी के पिछोर क्षेत्र के एक गांव का बताया जा रहा है जब विधायक शनिवार को दौरे पर थे। बता दें कि, यह पहली बार नहीं है जब प्रीतम लोधी के बयानों ने सुर्खियां बनाई हो। हालही में उन्होंने मंच से एक चंबल के डाकू को अपना भाई बता दिया था।

भाजपा विधायक प्रीतम लोधी शनिवार को पिछोर क्षेत्र के दौरे पर थे। एक गांव में जब विधायक लोधी अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ कार में सवार होकर निकल रहे थे। तभी कुछ महिलाओं व पुरूषों ने विधायक को रोक लिया। ग्रामीणों ने उनसे कहा कि वह कई दिनो से बिजली और पानी के लिए परेशान है। इस पर विधायक ने कहा कि तुम तो लाड़ली बहना हो, वह यह सभी काम करा देंगे। जिस पर महिलाएं बोली कि काम करा दोगे तो हम तुमको वोट देंगे। इस पर विधायक ने बुंदेली में कहा कि मोए वोट नही दोगे तो किसको वोट दोगे. इसका अर्थ यह कि मुझे

वोट नहीं दोगे तो फिर किसे दोगे। इसके बाद जब किसी महिला ने पानी की गंभीर समस्या बताई तो विधायक लोधी ने अपनी कार में से एक पानी की बोतल निकालकर महिलाओं को दी जिस पर मौके पर मौजूद लोग पानी की बोतल देखकर बोले कि इससे क्या होगा और सभी लोग हंसने लगे। फिर एक ग्रामीण ने विधायक से यह भी बोला कि उनके गांव में दो महिनो से डीपी खराब पड़ी तो विधायक बोले सभी काम करा देंगे। इसके बाद विधायक वहां से अपनी कार से आगे के लिए रवाना हो गए।

वायरल वीडियो को लेकर जब मीडिया ने विधायक प्रीतम लोधी से बात कि तो उन्होंने कहा कि मैं शनिवार को पिछोर क्षेत्र के दौरे पर गया था। यह घटनाक्रम किस गांव का है। यह ठीक से ध्यान नही है। महिलाओं व कुछ लोगों ने बिजली व पानी की समस्या बताई थी। मैंने उनसे बोल दिया तुम्हारी समस्याओं का हल हो जाएगा। मैं तो हर रोज अपनी विधानसभा में जाकर लोगों से मिलता हूं। मोदी और लोधी कभी छुट्टी नही लेते और रोज काम करते है।

अपहृत नाबालिग बालिका सकुशल बरामद, आरोपी दमोह से गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा गुमशुदा एवं अपहृत बच्चों की शीघ्र बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना विनायका पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को घटना के 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को बंडा उप जेल भेज दिया गया। थाना विनायका में बालिका के चाचा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी 16 वर्ष 7 माह आयु की नाबालिग भतीजी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत पर प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस

टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं सतत प्रयासों के आधार पर बालिका का पता लगाते हुए उसे 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब किया। विवेचना के दौरान आरोपी लाल सिंह अहिरवार पिता नंदराम अहिरवार उम्र 25 साल को ग्राम कुमेरिया थाना दमोह देहात जिला दमोह से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे बंडा उप जेल न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। दस्तयाब की गई बालिका को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई में थाना विनायका प्रभारी उप निरीक्षक भूपेंद्र विश्वकर्मा, थाना गढ़ाकोटा प्रभारी उप निरीक्षक शिवम दुबे, प्रधान आरक्षक जयपाल सिंह घोष, लोकमन राही, बादल यादव,सौरभ रैकवार, आरक्षक पुष्पेंद्र सेन, महिला आरक्षक रोशनी पांडे एवं आरक्षक हेमेंद्र की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही

सागर में अवैध उर्वरक भंडारण पर कार्रवाई, एफआईआर दर्ज

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर। कृषि विभाग की टीम ने अवैध उर्वरक भंडारण और विक्रय के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सागर के खुरई रोड पर गढ़ौली खुर्द स्थित 'मेसर्स माँ हरसिद्धि एग्रो' (ट्रेडर्स) और गुजरात के 'सहदेव फर्टिलाइजर्स' के खिलाफ बिना अनुमति और वैध दस्तावेजों के अवैध रूप से उर्वरक भंडारण करने के मामले में थाना कैंट में एफआईआर दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषि विकास अधिकारी सह उर्वरक निरीक्षक शिवकांत सिंह राजपूत को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कुडारी में सचिन गुप्ता के मकान में अवैध रूप से उर्वरक का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक के लिए कृषि विभाग की टीम ने पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर छापेमारी की। वहां एक हैवी ट्रक से उर्वरक की बोरियां उतारकर मकान में रखी जा रही थीं। जांच टीम ने मौके से 500 बोरी अवैध उर्वरक जप्त किया है, जिसका कुल वजन 25,000 किलोग्राम है। इसमें से 230 बोरियां ट्रक में और 270 बोरियाँ मकान के अंदर रखी हुई पाई गईं। जप्त किए गए उर्वरक की कुल कीमत 1,25,000 और जप्त ट्रक की कीमत करीब ?20 लाख बताई जा रही है (कुल जप्ती ?21,25,000)। आरोपी प्रदीप साहू भंडारण और खरीदी-बिक्री से जुड़े कोई भी वैध दस्तावेज मौके पर पेश नहीं कर सका।

मेट्रो एंकर

धार के नन्हे शटलर ईशमित अरोरा का नागरिक सम्मान, प्रेरक उद्बोधनों से गूंजा समारोह

लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो सफलता अवश्य मिलती है

धार। दोपहर मेट्रो

धार। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन एवं धार लिटिल शटलर वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को घोड़ा चैपाटी स्थित राजा देवीसिंह हॉल में अंडर-13 ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा विजेता नन्हे शटलर ईशमित अरोरा के सम्मान में नागरिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के खेलप्रेमियों, खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर राजीव रंजन मीना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसपी सचिन शर्मा ने की। विषेष अतिथि के रूप में धार जिला बैडमिंटन एसो. के अध्यक्ष प. छोटू शास्त्री, धार लिटिल शटलर वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शरदचन्द्र निगम, एसो. के वरिष्ठ परामर्षदाता समाजसेवी पंकज जैन, कोच शमषेर सिंह यादव, कोच सुधीर वर्मा, समाजसेवी सुरेष गोयल, धार के गौरव शटलर इषमित अरोरा, धार जिला बैडमिंटन एसो. के सचिव सलीम खान मंचासीन थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधीश ने कहा

'आज इन बच्चों के बीच आकर मुझे भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई दे रहा है। जिस उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ ये खिलाड़ी मेहनत कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से देश का नाम रोशन करेगा। खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन की सबसे बड़ी पाठशाला है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो सफलता अवश्य मिलती है। प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा 'खेल युवाओं को सही दिशा देता है। बैडमिंटन जैसे खेल बच्चों में धैर्य, संयम, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक मजबूती विकसित करते हैं। मोबाइल और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर यदि बच्चे खेल को अपना साथी बनाएंगे तो वे अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक भी बनेंगे। ईशमित की उपलब्धि पूरे जिले के बच्चों के लिए प्रेरणा है कि मेहनत और समर्पण से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष पंडित छोटू शास्त्री ने कहा 'धार हमेशा से बैडमिंटन की नर्सरी रहा है। यहां से कई खिलाड़ियों ने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। आज ईशमित अरोरा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। मैदान छोटा हो या बड़ा, सुविधाएं सीमित हों या अधिक यदि खिलाड़ी मन से जीतने का संकल्प ले ले, तो विजय निश्चित होती है। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में धार से और भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकलेंगे। स्वागत भाषण प. छोटू शास्त्री ने दिया। कार्यक्रम को पंकज जैन, शरदचन्द्र निगम, कोच शमषेरसिंह यादव, सुधीर वर्मा एवं ईषमित अरोरा की माताजी षिखा अरोरा ने संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत एसो. के कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र जोषी, सुरेष परमार, राजीव जोषी, निमिष गोयल, भूपेन्द्र जोषी, विषाल पिपलोदिया, लखन नवासा, एड. संतोष जाट, डॉ. रफीक शेख, गोपाल खंडेलवाल, अंकित पटोंदिया, समीक्षा जैन, संगीता बारिया, अंतरसिंह यादव आदि ने किया। समारोह में इषमित अरोरा के कोच सुधीर वर्मा एवं शमषेर सिंह यादव को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ईशमित अरोरा का पुष्पमालाओं, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर नागरिक सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन राजीव जोशी ने व्यक्त किया।

वो हमसे ज्यादा स्मार्ट निकले

भारत की शर्मनाक हार के बाद श्रेयस अय्यर ने मानी गलती

बेलफास्ट, एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की करारी हार के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी में परिस्थितियों को सही तरीके से समझने में नाकाम रही। उन्होंने आयरलैंड की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मेजबान टीम ने विकेट को बेहतर ढंग से पढ़ा, शानदार फील्डिंग की और हर विभाग में भारत से बेहतर प्रदर्शन किया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में यह पहली टी20 सीरीज थी, लेकिन शुरुआत निराशाजनक रही। भारत लगातार दूसरी बार 155 रन के आसपास के लक्ष्य का पीछा करने में विफल रहा और दूसरे मुकाबले में एक रन से हार गया। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि यह सीरीज भारत के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए अच्छी सीरीज नहीं रही। आयरलैंड जिस तरह खेला, उसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है। उन्हें विकेट के व्यवहार की शानदार समझ थी और उनकी फील्डिंग भी बेहतरीन रही। उन्होंने हर विभाग में हमें पछाड़ा और इस शानदार जीत के लिए वे बधाई के पात्र हैं।

बल्लेबाजी में चूक स्वीकार की- पहले मैच के बाद अय्यर ने खिलाड़ियों से मैच के अनुसार खुद को ढालने और बेहतर क्रिकेट समझ दिखाने की बात कही थी। दूसरे मैच के बाद उन्होंने माना कि गेंदबाजों ने अपना काम किया, लेकिन बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेल नहीं सके। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमारे गेंदबाजों ने अपनी योजनाओं को शानदार तरीके से लागू किया। लेकिन बल्लेबाजी में हम पीछे रह गए। हम यह सही तरीके से नहीं समझ पाए कि विकेट कैसे खेलेगा। इसके अलावा हमने सिंगल को डबल में बदलने के मौके भी गंवाए। आयरलैंड ने इस मामले में हमसे कहीं बेहतर क्रिकेट खेला।

डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की तारीफ

इस मुकाबले में भारत की ओर से तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। कप्तान ने दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन और रवैये की सराहना की। अय्यर ने कहा, प्रिंस के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है और उन्होंने उसी आत्मविश्वास को यहां भी दिखाया। गेंदबाजी के दौरान उनके पास अपनी स्पष्ट योजनाएं थीं। उनका रवैया और अप्रोच काफी सकारात्मक रहा। वहीं सूर्यांश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। उसे भी इस अनुभव से काफी सीखने को मिलेगा। श्रेयस अय्यर ने अंत में आयरलैंड क्रिकेट और वहां के दर्शकों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा, यहां आना हमारे लिए सम्मान और खुशी की बात है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। इसके साथ ही अगस्त 2023 से जारी भारत का लगातार 16 द्विपक्षीय टी20 सीरीज जीतने का सिलसिला भी समाप्त हो गया। श्रेयस अय्यर के कप्तानी कार्यकाल की शुरुआत हार से हुई, जबकि बल्लेबाजी दोनों मुकाबलों में टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुई।

फीफा विश्व कप 2026: दक्षिण अफ्रीका का सपना टूटा

आखिरी मिनट के गोल ने बदली कनाडा की किस्मत, पहली बार अंतिम-16 में मेजबान

लॉस एंजिलिस , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 के पहले मुकाबले में सह-मेजबान कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने इंजरी टाइम (90+2%) में शानदार गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ कनाडा ने पहली बार फीफा पुरुष विश्व कप के राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। इससे पहले कनाडा 1986 और 2022 विश्व कप में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सका था। अब राउंड ऑफ-16 में उसका सामना नीदरलैंड और मोरक्को के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

मैच की शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक खेल दिखाया और कई अच्छे मूव बनाए, लेकिन अंतिम पास और फिनिशिंग की कमी के कारण टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। दूसरी ओर, कनाडा ने भी कुछ शानदार मौके बनाए।पहले हाफ के अंतिम क्षणों में कनाडा लगातार दो बार गोल करने के करीब पहुंचा। पहले दक्षिण अफ्रीका के डिफेंडर ऑब्रे मॉडिबा ने मोइज बॉम्बिटो के हेडर को गोललाइन से क्लियर कर दिया। इसके तुरंत बाद गोलकीपर रोनवेन विलियम्स ने ताजोन बुकानन के शॉट पर शानदार बचाव कर अपनी टीम को गोल खाने से बचा लिया। हाफ-टाइम तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। ब्रेक के बाद कनाडा ने खेल पर पकड़ मजबूत कर ली और लगातार दक्षिण अफ्रीका के गोल पर हमले किए। तानी ओलुवासेयी के दमदार शॉट को रोनवेन विलियम्स ने बेहतरीन तरीके से रोक दिया। इसके बाद डिफेंडर म्बेकेजेली म्बोकाजी ने समय रहते गेंद को क्लियर कर रिबाउंड पर गोल होने से बचा लिया। 75वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस को मैदान पर उतारा गया। उनकी रफ्तार और शानदार ड्रिब्लिंग ने दक्षिण अफ्रीका के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और कनाडा के हमलों में नई ऊर्जा भर दी।

यूस्टाक्वियो ने इंजरी टाइम में दिलाई जीत

जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था और लग रहा था कि मैच एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा, तभी इंजरी टाइम के दूसरे मिनट (90+2%) में कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने बॉक्स के बाहर उछलती हुई गेंद पर बेहतरीन फर्स्ट-टाइम शॉट लगाया। गेंद सीधे गोलपोस्ट के निचले कोने में जाकर समा गई और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स उसे रोकने में असफल रहे। यही गोल मैच का निर्णायक साबित हुआ और कनाडा ने 1-0 से जीत दर्ज कर ली।

कनाडा ने रचा इतिहास

यह जीत कनाडा के पुरुष फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। टीम ने पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी और अब पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ-16 में भी प्रवेश कर लिया है। इससे पहले कनाडा ने 1986 और 2022 विश्व कप में हिस्सा लिया था, लेकिन दोनों बार ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी।

दक्षिण अफ्रीका ने भी बनाया रिकॉर्ड

भले ही दक्षिण अफ्रीका को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने इस विश्व कप में इतिहास रचा। बफाना बफाना पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, राउंड-ऑफ-32 में हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया।

ब्रूस के नाम दर्ज हुआ खास रिकॉर्ड

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच ह्यूगो ब्रूस ने 74 वर्ष और 79 दिन की उम्र में फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में टीम की कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज़ कोच बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने उरुग्वे के पूर्व कोच ऑस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में 71 वर्ष की उम्र में टीम की कोचिंग की थी।

गिल पर चढ़ा फुटबॉल का फीवर! रोनाल्डिन्हो के साथ आए नजर

न्यूयॉर्क। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में फीफा विश्व कप 2026 के दौरान ब्राजील के फुटबॉल दिग्गज रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की और उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। वहीं, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो के इटली के क्लब रावेना से जुड़ने के बाद उनके एक बार फिर पेशेवर फुटबॉल खेलने की संभावना भी चर्चा में है। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका में खेले जा रहे फीफा विश्व कप 2026 के दौरान हुई, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। शुभमन गिल ने इस खास मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिसमें वह ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर और 2002 फीफा विश्व कप विजेता रोनाल्डिन्हो के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद क्रिकेट और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच यह काफी चर्चा का विषय बन गई।

संडे के खेल में 2 चैंपियन फेल

भारतीय क्रिकेट की ऐतिहासिक 25 जून के ठीक 3 दिनों बाद वाली तारीख यानी 28 जून का संडे देश के खेल प्रेमियों के लिए ब्लैक संडे साबित हुआ।दरअसल आईपीएल की तर्ज पर सुपर संडे वाले दो धमाकेदार मैचों की आस में जब खेल प्रेमियों को एक के बाद एक झटका लगे तो उनके लिए यह शॉकिंग संडे भी कहा जा सकता है। असल मे कल का संडे स्पेशल ही था वजह 2 भारतीय वर्ल्ड चैंपियन टीमें लगभग एक ही समय पर मैदान में उतरने वाली थीं।दर्शकों के जहन में भी अजब सी दुविधा थी कि आखिर किस मुकाबले को वरीयता से देखा जाये।फिर भी मेरे खयाल से क्रिकेट के सभी चाहने वालों ने इस कदर मैच को देखने मे अदला बदली की होगी कि वह मैच का कोई भी नाजुक क्षण देखने से न चूक जाएं। वैसे तो क्रिकेट के नजरिये से कल के सभी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं,जिसमें टीम इंडिया के अलावा लड़कियों की अफ्रीका-बांग्लादेश भिड़ंत भी थी।फिर भी क्रिकेट में चर्चाओं का बाजार तो कल 2 चैंपियन टीमों की हार के इर्दगिर्द ही सिमट कर रह गया।अब अगर हम भी बात इन्ही मुकाबलों की करें तो फिर भले ही महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण में वीमेन इन ब्लू का सफर समाप्त हो गया है,लेकिन सच तो यह है कि अफ्रीका से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाले करो-मरो वाले इस मुकाबले में टी20 फॉर्मेट की 6 बार की वर्ल्ड चैंपियन का पलड़ा ही बेहद मजबूत था।इस बात में कोई शक नहीं कि भारतीय छोरियों ने क्रिकेट के चाहने वालों की नजर में अपनी पहचान बनाने में कोई कसर कभी नहीं छोड़ी है और ऐसा ही कुछ काल के मुकाबले में भी कर दिखाया है।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरमनप्रीत सेना ने 170 का बेहद सम्मान जनक स्कोर खड़ा कर मैच देखने वाले दर्शकों का रुख भी लड़कों के मैच से हटाकर अपनी ओर खींच लिया।पारी के आखिरी ओवर में हरमनप्रीत के बल्ले का धमाल ओर फिर ऑस्ट्रेलिया की पारी के पहले ओवर में रेणुका सिंह का विकेट लेने की वजह से सभी चाहने वालों को चैंपियन लड़कियों से उलटफेर की उम्मीद जाग भी गयी थी,लेकिन बेहद ताकतवर ऑस्ट्रेलिया टीम ने मैदान में एक बार फिर यह एहसास करवा दिया कि यह टीम इस फॉर्मेट की चैंपियन टीम क्यों है।भले ही भारतीय लड़कियों को इस मुकाबले में शिकस्त झेलना पड़ी हो और खेलप्रेमियों को इस हार से थोड़ी निराशा भी हुई।फिर भी सच तो यह है कि लड़कियों के जुझारूपन से शायद ही किसी को निराशा हुई हो।वहीं अगर अब बात इस मुकाबले से हटकर 2 बार के टी20 वर्ल्ड चैंपियन लड़कों की करें तो फिर जब से टीम इंडिया की यह गंभीर सेना आयरलैंड पहुंची है तभी से चर्चाओं की वजह सिर्फ वैभव सूर्यवंशी के आगाज को लेकर ही हो रही थी।क्रिकेट के किसी भी जानकार पंडित ने जीत-हार के अनुमान और उस चमत्कार की बात ही नहीं की थी,जो कारनामा आयरलैंड टीम ने कर दिखाया।मेरे खयाल से तमाम जानकार ओर पंडितों की तरह ही शायद टीम मैनजेमेंट को भी इस तरह की पटखनी का अंदेशा नहीं होगा।इसी वजह से उसका अड़ियल टीम संयोजन दोनों ही मैचों में एक समान देखने को मिला।दरअसल टीम इंडिया जिस संयोजन मतलब 5 बल्लेबाज,3 गेंदबाज और 3 ही आलराउंडर के फॉर्मूले से मैदान में उतरती है वह सपाट पिचों ओर घरेलू मैदान पर तो कारगर हो सकती है,लेकिन जब विकेट में हरकत होती है तो फिर यह संयोजन फेल हो सकता है।आयरलैंड की सरजमीं पर खेले गयी 2 मैचों की मौजूदा सीरीज में यही कमजोरी बन कर उभरी है।यह बात वाकई समझ से परे है कि टीम मैनजेमेंट 6 बल्लेबाज या फिर 4 विशुद्ध गेंदबाजी विकल्प को आजमाने से आखिर क्यों डरता है।भले ही टीम इंडिया में ओपनर बल्लेबाजों की भरमार हो फिर भी बल्लेबाजी क्रम में उठापटक करने का प्रयोग मेरे नजरिये में इस तरह के रक्षात्मक घातक प्रयोग से बेहतर हो सकता है।अब देखना यह है कि इंग्लैंड के मैदानों पर आयरलैंड से मिले इस वेक अप कॉल से टीम मैनेजमेंट कितना और क्या सबक लेता है।वैसे भी आगामी टी20 वर्ल्ड कप जब ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में खेला जाना हो तो फिर टीम इंडिया को जीत के गुरूर से हटकर हार की वजह पर भी गौर करना होगा।वरना यह चैंपियन टीम आईपीएल जैसी सपाट पिचों और छोटे मैदानों पर तो चैंपियन दिखेगी,लेकिन जब पिच ओर मैदान के समीकरण बदले हुए होंगे तो इसके जीत-हार के गणित भी आयरलैंड सीरीज की तरह बदले हुए नजर आयेंगे।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेता ने पत्नी सुनीता संग मिटाई दूरियां!

गोविंदा ने पूरी की बेटी की ख्वाहिश रोते हुए कहा था मेरे पेरेंट्स साथ हों

गोविंदा का परिवार इन दिनों खूब लाइमलाइट में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों ने तो तूफान मचा ही रखा था। इनके अनबन को लेकर कई कयास लगाए गए, लेकिन अब बेटी टीना की खातिर माता-पिता साथ आ गए हैं। जी5 के शो मां हैं ना पर गोविंदा और सुनीता साथ दिखाई दिए। वहीं टीना भावुक होतीं नजर आईं।

शो के पहले सीजन फिनाले एपिसोड धमाकेदार होने वाला है। क्योंकि यहां गोविंदा अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। दरअसल, बीते एक एपिसोड में हीरो न। 1 की बेटी टीना ने रोते-रोते अपनी दिल की तमन्ना जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि- मैं सच में चाहती हूं कि मैं जल्द ही एक रियलिटी शो पर आऊं जहां मेरे दोनों पेरेंट्स मेरे साथ हों। और उनके साथ मैं खूब मस्ती करूं। टीना की ये बातें सुनकर मां सुनीता और खुद शो की होस्ट शिल्पा शेट्टी तक के आंसू छलक पड़े थे। हालांकि मेकर्स ने टीना की ये विश पूरी की, इसके लिए उन्हें किसी और शो का इंतजार नहीं करना पड़ा। फिनाले एपिसोड में गोविंदा खुद यहां धूम मचाते दिखेंगे। उन्होंने बेटी संग ही एंट्री मारी। इसका प्रोमो सामने आया जहां वो मस्ती में डांस करते हुए सबको एंटरटेन करते दिखे। वहीं बाद में सुनीता ने भी एंट्री लेती दिखीं, लेकिन अकेले। माना तो जा रहा है कि शो में गोविंदा और सुनीता साथ दिखेंगे। लेकिन अभी तक के जारी प्रोमो में सुनीता और गोविंदा साथ नहीं दिखे हैं।

बिखरे शॉट्स ने अफवाहों को दी हवा

एक्टर अकेले ही काउंटर्स पर बेटी या बाकी कंटेसटेंट्स के साथ खाना बनाते, डांस करते और हंसी-मजाक करते नजर आए हैं। इस दौरान सुनीता कहीं नहीं दिखीं। वहीं बाद में उनका अकेले एंट्री करना शक पैदा करता है कि मुमकिन है कि वो पति के एग्जिट लेने के बाद सेट पर आई होंगी। मस्ती-मजाक के दौर में गोविंदा के खाना बनाने की स्किल्स देख शिल्पा इम्प्रेस होती भी नजर आईं। एक्ट्रेस के ऐसा कहते ही गोविंदा भी उन्हें छेड़ने से पीछे नहीं हटे, उन्होंने कहा कि यही तुम कुछ साल पहले इम्प्रेस हो गई होती तो आज वहां नहीं खड़ी होती। इन बिखरे हुए शॉट्स ने कपल के बीच के अनबन की अफवाहों को फिर से हवा दे दी है। हालांकि फैंस परिवार को साथ देखने के लिए बेकरार और भावुक होते दिखाई दे रहे हैं।

जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है।

दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है।

बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात खतरों के खिलाड़ी 9 के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता

तब चला, जब बिग बॉस 14 के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया।

बिग बॉस 14 के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं। वे साथ में कई रोमांटिक म्यूजिक वीडियो भी कर चुके हैं।

मेट्रो बाजार

रुपए में स्थिरता, कोरियाई और ताइवानी बाजार में उतार-चढ़ाव से भारत वापसी कर सकते हैं विदेशी निवेशक

मुंबई। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से चुनिंदा खरीदारी के चलते बिकवाली का दबाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार की धारणा में सुधार हुआ है। यह जानकारी विश्लेषकों की ओर से दी गई। पिछले नौ ट्रेडिंग दिनों (15 जून - 25 जून) के दौरान, एफआईआई ने कैश मार्केट में पांच दिन खरीदारी की, हालांकि यह खरीदारी सीमित मात्रा में थी। इससे विदेशी निवेशकों की तरफ से लगातार हो रही भारी बिकवाली अब खत्म होती दिख रही है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों में इस बदलाव के लिए दो बातें जिम्मेदार हैं। पहली, रुपया स्थिर हो गया है और 15 मई को डॉलर के मुकाबले 96.96 के निचले स्तर से मजबूत भी हुआ है। अब रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 94.40 पर है। जब रुपया मजबूत हो रहा हो, तो एफपीआई के लिए बिकवाली करना समझदारी नहीं है। दूसरी बात, दक्षिण कोरियाई और ताइवानी बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव एफपीआई को इन बाजारों में बिकवाली करने के लिए मजबूर कर रहा है। उन्होंने कहा, एक दिन दक्षिण कोरियाई बाजार 8 प्रतिशत गिर गया, जिससे ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। इससे भारी मुनाफा कमाने वाले एफपीआई दक्षिण कोरिया और ताइवान में बिकवाली कर रहे हैं। यह एफआईआई को भारत में कम कमाई के बावजूद फिर से निवेश करने पर विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

मान्यता प्राप्त भारतीय स्टार्टअप्स में प्रत्यक्ष रोजगार 36 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 23.64 लाख पहुंचा

नई दिल्ली । एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स द्वारा सृजित प्रत्यक्ष रोजगार बढ़कर 23.36 लाख हो गया है। यह रोजगार सृजन में साल-दर-साल 36.1 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। मान्यता प्राप्त सभी स्टार्टअप्स में से करीब 48 प्रतिशत में कम से कम एक महिला निदेशक या साझेदार है, जो भारत के नवाचार-आधारित विकास की समावेशी प्रकृति को दर्शाता है।

दिसंबर 2025 तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या 2 लाख से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले देशों में मजबूती से शामिल हो गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, देश के नवाचार तंत्र ने अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में ही 55,200 से अधिक संस्थाओं को डीपीआईआईटी की मान्यता मिली, जो इस कार्यक्रम की शुरुआत के बाद किसी एक वर्ष में सबसे अधिक वृद्धि है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के 11 वर्ष पूरे होने के साथ यह पहल बड़े पैमाने पर नागरिकों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, ÷2015 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 81वें स्थान पर थी, जो 2025 में सुधरकर 38वें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, 2.23 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स नवाचार-आधारित विकास को गति दे रहे हैं। ऐसे में डिजिटल इंडिया की 11वीं वर्षगांठ केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाले दशक में भारत के वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की मजबूत नींव है।

कश्मीर : लैवेंडर की खेती देखने पहुंच रहे पर्यटक

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में लैवेंडर की खेती अब निजी तौर पर बढ़ गई है, दो साल के दौरान 2285 कनाल भूमि पर लैवेंडर की खेती की जा रही है। पुलवामा जिला वैसे तो फलों, सब्जियों और दूध के उत्पादन के लिए काफी मशहूर है। पुलवामा जिले में दुनिया का सबसे बड़ा ड्रग फार्म है, जहां दवाओं और अन्य चीजों में इस्तेमाल होने वाले पौधे उगाए जाते हैं। लैवेंडर को जम्मू-कश्मीर में पाए जाने वाले औषधीय पौधों की रानी कहा जाता है। पुलवामा जिले में 12 सौ कनाल से अधिक भूमि पर लैवेंडर की खेती की जाती है, जबकि निजी तौर पर 2285 कनाल भूमि पर इसकी खेती की जाती है। इस खेती को देखने के लिए यहां पर पर्यटकों की भीड़ लग रही है।

न्यूज विंडो

सीएम डॉ. यादव आज करेंगे दो सौर ऊर्जा परियोजनाओं का शुभारंभ

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जून को नीमच में 500 मेगावॉट और शाजापुर में 450 मेगावॉट के सौर पार्क का उद्घाटन करेंगे। परियोजनाओं, 440 मेगावॉट की सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना पॉवर परचेज एग्रीमेंट और 1553.98 करोड़ रुपए की औद्योगिक इकाइयों और विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री जोशी के साथ प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा मंत्री शुक्ला की उपस्थिति में भोपाल में 440 मेगावॉट के मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना का पॉवर परचेज एग्रीमेंट होगा।

BHU: एनेस्थीसिया की दवा लगाकर जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने दी जान

वाराणसी। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के सुश्रुत छात्रावास में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के एक जूनियर रेजिडेंट ने नसों में एनेस्थीसिया की दवा की ड्रिप लगाकर जान दे दी। मृतक ऋत्विक कुंडू (26) प्रथम वर्ष का जूनियर रेजिडेंट था। वह बंगाल के हुगली जिले का निवासी था। ऋत्विक छात्रावास की छठी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में था। रात करीब 10 बजे उसके सीनियर छात्रों ने उसे फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद साथी छात्र उसके कमरे तक पहुंचे। वहां देखा कि वह किसी दवा की ड्रिप लगाए मृत अवस्था में पड़ा था। साथी छात्रों ने तत्काल विश्वविद्यालय के प्राक्टोरियल बोर्ड और पुलिस को सूचना दी। लंका थाना पुलिस और फारेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई तथा जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

पुणे में SEEPZ कर्मचारियों की बस खाई में गिरी, 2 की मौत, 18 घायल

पुणे/मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में रविवार सुबह तड़के एक कंपनी की बस गहरी खाई में गिर जाने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई और 18 घायल हैं। SEEPZ कंपनी के ये कर्मचारी राजगढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए एक प्राइवेट मिनी बस में जा रहे थे। ये बस 40 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह ग्रुप शिमायरा ज्वैलरी में काम करता था, जो एक्सपोर्ट के लिए ज्वैलरी बनाती है। आशंका है कि ड्राइवर ने रात करीब 1:50 बजे पाबे घाट पर तीव्र मोड़ पर गाड़ी से कंट्रोल खो दिया था। बस सड़क के बैरियर तोड़ते हुए एक तरफ पलट गई। हादसे में मारे गए दो यात्रियों विले पार्ले के विश्वास सतिम (25) और कांदिवली वेस्ट की रहने वाली ध्वनि ठक्कर (23) को जब मलबे से बाहर निकाला गया तो वे बेहोश थे और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

उज्जैन-देवास में आज भारी बारिश का अलर्ट, भोपाल-इंदौर में भी बरसात संभव

40 जिलों में नहीं पहुंचा मानसून, नौगांव में 40.4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

24 जून को प्रदेश में मानसून ने एंट्री ली थी। तब से अब तक 15 जिले ही मानसून ने कवर किए हैं, जबकि 40 जिलों में एंट्री नहीं हो पाई है। वहीं, प्रदेश की जून में अब तक हुई ओवरआल कुल बारिश भी 38% कम है।

इधर प्रदेश के 6 जिले उज्जैन, देवास, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, मंडला और बालाघाट में सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 4 इंच या इससे अधिक बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में कहीं-न-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र ने भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर और टीकमगढ़ में तेज बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है।

ग्वालियर में 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान

इधर, तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के पांच बड़े शहरों में उज्जैन का अधिकतम तापमान सबसे कम 33.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इंदौर में 33.8 डिग्री, भोपाल में 34.6 डिग्री, जबलपुर में 38.3 डिग्री और ग्वालियर में 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

असम में भारी बारिश से लोहे का पुल बहा, अरुणाचल प्रदेश में तीन लोगों की मौत

दिसपुर। पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार हो रही बारिश ने असम और अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई जगहों पर भूस्खलन की भी खबरें हैं। असम में मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण 300 मीटल लंबा लोहे का पुल बह गया। वहीं अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश और बाढ़ के कारण सड़के धंसने के कारण कई हिस्सों में यातायात बाधित हो गया और तीन लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। असम में भारी बारिश और नदी के किनारे

तेज कटाव के कारण धेमाजी जिले में सिमेन नदी पर बना एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके कारण इस रूट पर ट्रेनों का आवागमन रद कर दिया गया है। खबरों के अनुसार, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि धीमाजी जिले और उसके आसपास के क्षेत्रों में 110 मिमी से अधिक बारिश के कारण आई बाढ़ और कटाव से रेलवे पुल प्रभावित हुआ है, जिसके चलते अर्चिपथर और सिमेन चापारी स्टेशनों के बीच ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया है।

उद्धव ठाकरे के तंज पर सीएम फडणवीस का पलटवार

मेरे पंख नहीं हैं, मैं इंसान हूं तो... कोई मेरे पंख कैसे काट सकता है

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की पंख काटे जाने और हवाई जहाज में बेबस दिखने वाले बयान पर तीखा पलटवार किया है।

सीएम फडणवीस ने मुंबई-नागपुर फ्लाइट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वे उड़ान के दौरान अपने मोबाइल पर डाउनलोड की हुई फिल्म या सीरीज देख रहे थे, ऐसे में उद्धव को उनकी बेबसी कहां नजर आ गई? वहीं, उन्होंने पंख काटने वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि हम एक इंसान हैं और उनके पास कोई पंख ही नहीं हैं, तो कोई उन्हें काट कैसे सकता है। लेकिन मेरे साथ महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों का आशीर्वाद है, और मेरे वरिष्ठों का भी आशीर्वाद है। इसलिए उन्हें बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए।

दरअसल, मुंबई से नागपुर जा रही फ्लाइट में एक साथ उड़ाने भरने के बाद से ही महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। इस बीच सीएम फडणवीस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि फ्लाइट में उड़ान के दौरान उनकी उद्धव ठाकरे से कोई खास बातचीत नहीं हुई। सीएम फडणवीस ने कहा कि उद्धव एक कोने में बैठे थे और हम दूसरे कोने में, यदि साथ बैठे होते, तो सामान्य बातचीत हो सकती थी। उद्धव ठाकरे के इस दावे पर कि फडणवीस फ्लाइट में बेबस लग रहे थे, सीएम ने कहा कि पूरा समय वह अपने मोबाइल पर फिल्म या वेब सीरीज देखते रहे, ऐसे में उनके चेहरे पर बेबसी कैसे दिख सकती है।

सीएम फडणवीस ने 2019 की राजनीति का जिक्र करते हुए भी उद्धव ठाकरे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर उस समय उन्हें समर्थन मिला होता, तो तस्वीर अलग हो सकती थी, लेकिन उस समय वे शुभकामनाएं नहीं दे सके, इसलिए मैं आज उनकी शुभकामनाएं स्वीकार करता हूं।

ऑपरेशन टाइगर नहीं, ऑपरेशन देवेंद्र था

शिवसेना यूबीटी ने पार्टी में हुए हालिया विभाजन को 'ऑपरेशन टाइगर' नाम दिया है, इसको लेकर ठाकरे का दावा है कि इसे भाजपा ने कराया है। ठाकरे ने आरोप लगाया था कि पार्टी का विघटन एकनाथ शिंदे द्वारा रचित ऑपरेशन टाइगर नहीं था, बल्कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पर कतरने के लिए भाजपा नेतृत्व द्वारा रचित 'ऑपरेशन देवेंद्र' था।

श्रीजगन्नाथ मंदिर: सुबह 5 बजे से 7 बजे के बीच पहंडी

स्नान यात्रा को लेकर पुरी में 79 प्लाटून पुलिस बल तैनात, शाम को होंगे सार्वजनिक दर्शन

पुरी, एजेंसी। भगवान श्रीजगन्नाथ मंदिर की पवित्र स्नान यात्रा को लेकर सभी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मंदिर प्रशासन, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त बैठक कर यात्रा की व्यवस्थाओं और नीतियों की समीक्षा की। बैठक में तय किया गया कि सभी धार्मिक अनुष्ठान निर्धारित समय के अनुसार संपन्न कराए जाएंगे तथा नीतिकांति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। विशेष नीतियों और सेनापटा लागी के कारण आज से कुछ घंटों के लिए श्रीमंदिर में सामान्य दर्शन बंद रखा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्नान यात्रा के सभी अनुष्ठान तय समय पर संपन्न होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 5 बजे से 7 बजे के बीच भगवानों की पहंडी होगी। इसके बाद अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। दोपहर 3 बजे से 3:30 बजे के बीच गजपति महाराजा द्वारा छेरा पहंरा की परंपरा निभाई जाएगी। वहीं शाम 4 बजे से 5 बजे तक भगवानों का भव्य हाथी वेश किया जाएगा।

4 नोटिस के बाद अंतिम अल्टीमेटम, राबड़ी देवी का 10 सर्कुलर रोड आवास आज होगा खाली

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत का केंद्र बने 10 सर्कुलर रोड सरकारी आवास को खाली करने के लिए दी गई समय सीमा आज समाप्त हो रही है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी आज सरकारी आवास खाली करती हैं या नहीं। यदि तय समय तक आवास खाली नहीं किया गया तो भवन निर्माण विभाग नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर सकता है। पिछले कई दिनों से आवास से सामान हटाने का काम

लगातार जारी है। रविवार देर रात तक शिफ्टिंग का सिलसिला चलता रहा। आवास से सीसीटीवी कैमरे समेत कई अन्य सामान पहले ही हटाए जा चुके हैं। हालांकि, लालू परिवार स्थायी रूप से किस पते पर जाएगा, इसे लेकर अभी आधिकारिक स्थिति स्पष्ट नहीं है। सूत्रों के अनुसार, आवास से निकाला गया अधिकांश सामान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में रखा जा रहा है। वहीं कुछ सामान महुआबाग स्थित निजी आवास में भी भेजा गया है। बता दें कि सरकार ने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया है। ऐसे में अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अंतिम दिन आवास पूरी तरह खाली होता है या फिर मामला प्रशासनिक कार्रवाई तक पहुंचता है।

मेट्रो एंकर

मद्रास हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

51 वर्ष की होने से पहले तक सरोगेसी से मां बन सकती हैं महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

सरोगेसी को लेकर एक अहम और दूरगामी असर वाला फैसला देते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि 50 वर्ष की उम्र पार कर चुकी महिला भी, जब तक वह 51 वर्ष की नहीं हो जाती, सरोगेसी का विकल्प चुनने के लिए अयोग्य नहीं मानी जाएगी।

साथ ही कोर्ट ने सरोगेसी के जरिए जन्म लेने वाले बच्चों के अभिरक्षा व जन्म प्रमाणपत्र के आवेदन निपटाने के संबंध में मजिस्ट्रेट के लिए भी दिशा-निर्देश जारी करते हुए चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों में अत्यधिक तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा सकता। हाई कोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत के उस आदेश को गलत ठहराते हुए रद कर दिया, जिसमें निचली अदालत ने सरोगेसी का विकल्प अपनाने वाली महिला की

आयु 50 वर्ष नौ महीने होने के आधार पर उसे अपात्र ठहरा दिया था, जबकि सक्षम अथॉरिटी पहले ही उसकी पात्रता का प्रमाणपत्र जारी कर चुकी थी। हाई कोर्ट का यह फैसला उन दंपती के लिए राहत लेकर आया है, जो उम्र की सीमा को लेकर असमंजस में रहते हैं। अब यह साफ हो गया है कि कानून की व्याख्या कठोर तकनीकी आधार पर नहीं बल्कि उसके उद्देश्य के अनुसार की जानी चाहिए। यह फैसला ना सिर्फ एक दंपती के लिए राहत है, बल्कि यह पूरे देश में सरोगेसी कानून की व्याख्या के लिए महत्वपूर्ण मिसाल बन सकता है।

यह महत्वपूर्ण फैसला मद्रास हाई कोर्ट के न्यायाधीश शमीम अहमद ने नंदिनी देवी की याचिका पर दिया। मामला तमिलनाडु के नमक्कल जिले के एक दंपती से जुड़ा है, जो सरोगेसी के जरिए संतान प्राप्त करना चाहते थे। दंपती की शादी 2005 में हुई और 2008 में उन्हें पुत्र हुआ जिसकी नवंबर, 2024 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई।

चूंकि चिकित्सीय कारण से महिला का गर्भाशय निकाला जा चुका था तो महिला प्राकृतिक रूप से गर्भधारण करने में सक्षम नहीं थी, इसलिए दंपती ने कानून के तहत सरोगेसी का रास्ता चुना। दंपती को संबंधित प्राधिकरण से पात्रता प्रमाण पत्र भी मिल चुका था और एक रिश्तेदार महिला ने सरोगेट मां बनने की सहमति दे दी थी, लेकिन निचली अदालत ने दो मुख्य आधारों पर याचिका खारिज कर दी। पहला कि सरोगेसी के जरिए बनने की इच्छा रखने वाली महिला की उम्र 50 साल 9 महीने से अधिक थी, जिसे अदालत ने सीमा से बाहर माना। दूसरे सरोगेट मां के पति की गवाही नहीं ली गई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने दोनों आधार खारिज करते हुए सरोगेसी का विकल्प चुनने वाली मां के लिए कानून में दी गई आयु की व्याख्या की है। हाई कोर्ट ने कहा कि कानून में तय आयु 23 से 50 वर्ष है, इसका मतलब यह नहीं है कि 50 साल पूरा होते ही महिला अयोग्य हो जाती है। कहा जबतक महिला 51 वर्ष की नहीं होती, वह 50 वर्ष की श्रेणी में ही मानी जाएगी।

रेव पार्टी पर हाईकोर्ट ने अपनाया कड़ा रुख

कुल्लू के डीसी-एसपी के तबादले और एसआईटी जांच के निर्देश

शिमला, एजेंसी। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुल्लू के कसोल (पार्वती घाटी) में नियमों को ताक पर रखकर आयोजित की गई रेव पार्टी पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में कुल्लू के डीसी, एसपी और संबंधित एसडीएम को ट्रांसफर करने के आदेश जारी किए हैं।

साथ ही इन तीनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने और पूरे मामले की जांच के लिए डीआईजी स्तर के अधिकारी की देखरेख में एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि प्रशासनिक विश्वास बहाल करने के लिए कुल्लू में तुरंत योग्य आईपीएस कैडर के एसपी को तैनात किया जाए, जो एसआईटी का हिस्सा भी होंगे। खंडपीठ ने कहा कि आयोजकों और अधिकारियों के बीच के गठजोड़ की जांच के लिए डीआईजी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में तीनों जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। सुनवाई 6 अगस्त को अनुपालन रिपोर्ट के साथ होगी। जनहित याचिका में बताया गया है कि कसोल के ग्रीन फॉरेस्ट में 7 जून से 11 जून तक बड़े पैमाने पर रेव पार्टी का आयोजन किया गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564